दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K & K

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-142 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 14 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी पर सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी से रिपोर्ट मांगी, सरकार-ट्रस्ट को नोटिस

नई दिल्ली,(आरएनएस)। अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में कथित चंदा गड़बड़ी के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग को लेकर दायर तीन याचिकाओं पर सोमवार को उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई की। न्यायालय ने केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार तथा श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किए जाएं। केंद्र सरकार की ओर से महान्यायवादी तुषार मेहता ने नोटिस स्वीकार किया। न्यायालय ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी नोटिस जारी

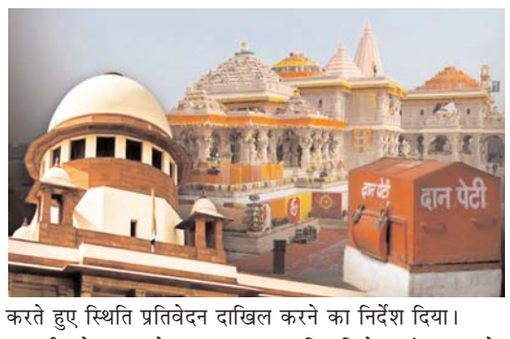

करते हुए स्थिति प्रतिवेदन दाखिल करने का निर्देश दिया।

पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल को भी निर्देश दिया कि वह न्यायालय के समक्ष जांच की प्रगति संबंधी स्थिति प्रतिवेदन प्रस्तुत करे। साथ ही यह भी कहा कि विशेष जांच दल के सदस्यों की संरचना और उसकी कार्यप्रणाली का विवरण भी प्रतिवेदन में शामिल किया जाए।यह याचिकाएं अधिवक्ता अजय कुमार राय, दिनेश कुमार यादव और नरेंद्र कुमार गोस्वामी द्वारा दायर की गई हैं। नरेंद्र कुमार गोस्वामी की याचिका में कथित चंदा गड़बड़ी की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से कराने तथा श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय मामलों का परीक्षण भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) से कराने की मांग की गई है।वहीं, अधिवक्ता अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव की याचिकाओं में भी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से जांच कराने के अतिरिक्त केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और ट्रस्ट को श्रद्धालुओं एवं दानदाताओं के हितों की सुरक्षा के लिए आवश्यक और प्रभावी कदम उठाने के निर्देश देने की मांग की गई है।

असम के गुवाहाटी में खानापारा इलाके में भारी बारिश के बाद जोराबाट में जलभराव के कारण गाड़ियाँ भारी ट्रैफिक जाम में फंसी हुई ।

10 महीने के बच्चे ने 36 सेकेंड में 21 सीढ़ियां चढ़कर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

बेंगलुरु(आरएनएस)। 10 महीने की उम्र में ज्यादातर बच्चे घुटनों के बल चलना या फिर अपना पहला कदम रखना शुरू करते हैं। लेकिन कर्नाटक के विजयपुरा में एक 10 महीने के बच्चे ने अपने नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड्स किया है।10 महीने के रियांस पट्टनशेट्टी ने 36 सेकेंड में 21 सीढ़ियां चढ़कर अपना नाम नोबल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डस में दर्ज कराया है। रियांस की इस शानदार कामयाबी की बहुत तारीफ हो रही है। सोशल मीडिया पर बच्चे के प्रदर्शन की लोग तारीफ कर रहे हैं।रियांस के माता-पिता को जब अपने बेटे के इस अनोखे हुनर के बारे तब पता चला जब उसने घर की सीढ़ियां आसानी से चढ़ लीं। मां से मिले प्रोत्साहन के बाद रियांस ने जल्द ही एक फीट ऊंची सीढ़ी को तेज रफ्तार और तालमेल के साथ चढ़ना सीख लिया।

फर्जी दस्तावेजों से ठगी का खेल, 11 मामलों में वांछित शातिर आरोपी आखिरकार गिरफ्तार

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने धोखाधड़ी और जालसाजी के 11 मामलों में वांछित आरोपी अब्दुल मजीद मीर को गिरफ्तार किया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने धोखाधड़ी और जालसाजी के कई मामलों में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था और उसके खिलाफ विभिन्न मामलों में कार्रवाई चल रही थी।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान अब्दुल मजीद मीर के रूप में हुई है। उसके खिलाफ वर्ष 2015 में दर्ज एक धोखाधड़ी और ठगी के मामले में श्रीनगर के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत से गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था।

देशभर में धीमी पड़ी मानसून की रफ्तार, बारिश में आई 18 फीसदी कमी

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार को देश के कई हिस्सों में व्यापक बारिश का पूर्वानुमान जताया है। उत्तर, पूर्व, मध्य और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है। कई क्षेत्रों में आंधी और बिजली चमकने के साथ तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है, जबकि राजस्थान में आने वाले दिनों में मानसून कमजोर रहने और ज्यादातर मौसम शुष्क रहने की संभावना है।अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, बिहार, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, ओडिशा, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में बिजली और तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान आने की

उम्मीद है। गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी तेज हवाओं के साथ आंधी आ सकती है।

दिल्ली-एनसीआर में आने वाले दिनों में छिटपुट बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। हालांकि, सोमवार के लिए भारी बारिश की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, लेकिन क्षेत्र के कुछ हिस्सों में हल्की बौछारें पड़ सकती हैं।

हिमालयी राज्यों में मानसून सक्रिय रहने की उम्मीद है, जिसमें हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश होने की संभावना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी सोमवार को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जबकि पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पूरे सप्ताह छिटपुट बारिश होने की उम्मीद है।

राजस्थान में आने वाले सप्ताह में मानसून कमजोर रहने की संभावना है, जिससे राज्य के अधिकांश हिस्से काफी हद तक शुष्क रहेंगे। IMD ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में छिटपुट हल्की बारिश हो सकती है, लेकिन अगले कई दिनों तक बारिश की गतिविधि सामान्य से कम रहने की उम्मीद है। पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में धूल भरी तेज हवाएं चलने की भी संभावना है।

गोवध निषेध कानूनों के सख्ती से पालन कराने की मांग, सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नईदिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें राज्यों को गायों और उनके बछड़ों को वध से बचाने के लिए लागू गोवध निषेध कानूनों का प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। इसके बाद याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि पशुओं के वध से जुड़े वर्ष 2005 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का संबंधित अधिकारी पालन नहीं कर रहे हैं।

इस पर पीठ ने कहा, अगर किसी न्यायिक आदेश का उल्लंघन हो रहा है तो आप अवमानना याचिका दायर करें। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को कानून के तहत उपलब्ध अन्य वैधानिक उपाय अपनाने की स्वतंत्रता देते हुए याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया 'वाइट कोट सिंड्रोम' का जिक्र, बोले-व्यवहार में भी हो हीलिंग

लखनऊ (आरएनएस)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को केजीएमयू लखनऊ के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में डॉक्टरों से कहा कि आपके द्वारा दी गई दवा के साथ ही आपके व्यवहार में भी हीलिंग होनी चाहिए। कई बार मरीज डॉक्टर को देखकर घबरा जाते हैं। इसे वाइट कोट सिंड्रोम कहते हैं। उन्होंने दार्शनिक वाल्टेयर के कथन का जिक्र करते हुए कहा कि जीवन की रक्षा करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि जीवन की रचना करना। आपको ये भी ध्यान रखना है कि आपकी चिकित्सा केवल पेशेंट केयर ही न रह जाए ये केयरिंग फार पेशेंट भी रहे। उन्होंने कहा कि केजीएमयू ने ऐसे दिग्गजों को देश को दिया है जो खुद में इंस्टीट्यूशन है। इस संस्थान से जुड़े लोगों ने सेवा, समर्पण का उदाहरण दिया है। डॉ. अवतार सिंह, डॉ. बलराम भार्गव और डॉ. नरेश त्रेहन जैसे डॉक्टर दिए हैं। रक्षामंत्री ने रामचरित मानस के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि राज वैद्य सुषेन ने ये नहीं देखा कि लक्ष्मण जी किस पक्ष के हैं। उन्होंने उनको चिकित्सा सेवा दी।

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0

जीसीसी, डेटा सेंटर एवं सेमी कंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनेगा मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की उद्योगपतियों से वन-टू-वन चर्चा

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 : जीसीसी, डेटा सेंटर एवं सेमी कंडक्टर के विशेष सत्र में देश एवं विदेश की 10 प्रतिष्ठित संस्थाओं के उच्च स्तरीय प्रतिनिधियों और उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस महत्वपूर्ण चर्चा के दौरान राज्य में निवेश को बढ़ावा देने, नई परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और भविष्य के रणनीतिक सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से संवाद किया। इस महत्वाकांक्षी कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य उच्च-विकास वाले प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश की गति को तीव्र करना है, जिससे प्रदेश को ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी), डेटा सेंटर एवं सेमी कंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में देश के अग्रणी और सबसे भरोसेमंद निवेश गंतव्यों में स्थापित किया जा सके। बैठक में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रमुखों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, तकनीकी अवसंरचना और अनुसंधान एवं विकास से जुड़े अपने भावी प्रस्ताव एवं परियोजनाओं का खाका प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आर्सेनल इन्फो सोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद पटानी और डायरेक्टर अमित खरे, फुजियामा पावर के संयुक्त प्रबंध निदेशक पवन कुमार गर्ग व प्लांट हेड नवीन सिन्हा, तथा ओसेल डिवाइसेज लिमिटेड के संचालन प्रमुख रितेश कुमार ने मुख्यमंत्री के साथ निवेश पर चर्चा की। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर और डेटा सेंटर के विकास के लिए न्योबोल्ट लिमिटेट-एबीएआईडीसी के निदेशक राजेश वेत्वा और अंकित खुराना व सिद्धार्थ बाहुजा ने अपने प्रस्ताव रखे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एनवीडिया के रणनीतिक एवं व्यवसाय निदेशक गणेश महाबाला के साथ मध्यप्रदेश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग, डिजिटल नवाचार तथा भविष्य की तकनीकों के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

दतिया उपचुनाव :

सभा में भावुक हुए नरोत्तम मिश्रा, बोले- आशुतोष को जिताने एक-एक घर के सामने शीश नवाऊंगा

दतिया, (ए.)। मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए सोमवार को भाजपा और कांग्रेस दोनों प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल कर शक्ति प्रदर्शन किया। कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने सुबह नामांकन भरा, जबकि भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने दोपहर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा सहित वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया।भाजपा की नामांकन सभा का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब पूर्व गृह मंत्री और दतिया से लंबे समय तक विधायक रहे डॉ. नरोत्तम मिश्रा मंच से कार्यकर्ताओं और जनता को संबोधित करते हुए भावुक हो गए। दतिया से अपने लंबे राजनीतिक और भावनात्मक जुड़ाव का जिक्र करते हुए उनका गला भर आया और आंखों से आंसू छलक पड़े।

कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने भरा नामांकन, नेताओं ने भाजपा पर साधा निशाना

दतिया/ भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने सोमवार को वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके बाद आयोजित जनसभा में कांग्रेस नेताओं ने इसे प्रदेश की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण चुनाव बताते हुए भाजपा सरकार पर जनविरोधी नीतियों और वादाखिलाफी के आरोप लगाए।सभा में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मध्य प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, विधायक, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'सबूत दो या माफी मांगो': सीएम उमर अब्दुल्ला को भाजपा ने भेजा 100 करोड़ का मानहानि नोटिस, सात दिन की दी मोहलत

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर की राजनीति में एक बार फिर सियासी घमासान तेज हो गया है। भाजपा ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को उनके विधायकों की खरीद-फरोख्त आरोपों पर 100 करोड़ की मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा है। भाजपा ने आरोपों को पूरी तरह निराधार, झूठा और मानहानिकारक बताते हुए सात दिनों के भीतर सबूत पेश करने या सार्वजनिक रूप से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की है।भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के अनुसार यदि मुख्यमंत्री तय समय सीमा के भीतर अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य नहीं देते या माफी नहीं मांगते हैं, तो पार्टी उनके खिलाफ 100 करोड़ के हर्जाने का दीवानी मानहानि मुकदमा और अन्य कानूनी कार्रवाई शुरू करेगी।

आस्था के सफर में मातम, पुणे में ट्रक की चपेट में आए श्रद्धालु; 3 की मौत

पुणे (आरएनएस)। महाराष्ट्र के पुणे जिले से एक बेहद दुखद खबर सामने आ रही है। पंढरपुर में आयोजित होने वाली आषाढ़ी वारी के लिए पैदल जा रहे श्रद्धालुओं (वारकरियों) के साथ सोमवार को सासवड-जेजुरी रोड पर एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। तीर्थयात्रियों के एक समूह को पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में तीन महिला वारकरियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए।

पटना के कोचिंग विवाद में खान सर को मिली अग्रिम जमानत, दोनों सुरक्षा कर्मी भी छूटे

पटना (आरएनएस)। बिहार की राजधानी पटना में कोचिंग विवाद के बीच हुई गोलीबारी में मशहूर यूट्यूबर खान सर (फैसल खान) को पटना सिविल कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने खान सरकार को अग्रिम जमानत दे दी है, जिससे उनको पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने से राहत मिली है। कोर्ट ने मुसल्लाहपुर इलाके में गोली चलाने वाले खान सरकर के 2 सुरक्षा कर्मी को भी सोमवार को जमानत दे दी है। दोनों जेल में बंद थे।खान सर और उनके सुरक्षा कर्मी के खिलाफ आर्म्स एक्ट और हत्या की कोशिश की धाराओं

में मुकदमा दर्ज किया गया था। फिलहाल, गिरफ्तारी के डर से वह कई दिन से कोचिंग नहीं जा रहे थे। घटना के बाद खान सर के वकील ने अग्रिम जमानत लगाई थी, जिस पर सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रखा गया था। खान सर के सुरक्षा कर्मी तालेबर सिंह और प्रदीप कुमार उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं।मुसल्लाहपुर में 2 जून को 15-20 लोगों ने खान सर द्वारा संचालित ग्लोबल स्टडीज के परिसर में तोड़फोड़ की थी। पुलिस ने हमले के आरोप में खान सर के प्रतिद्वंद्वी ज्ञान बिंदु कोचिंग के संरक्षक रोशन आनंद को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर गोलीबारी का वीडिया सामने आया, जिसमें पता चला कि घटना की रात खान सर के 2 सुरक्षाकर्मियों ने गोलीबारी की थी।

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 में लगभग 40 हज़ार करोड़ के निवेश हुए प्राप्तः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

स्पेन का सबमर ग्रुप भोपाल में स्थापित करेगा लगभग 20 हजार करोड रूपये का एआई रेडी डेटा सेंटर

भोपाल, (आरएनएस.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 में 51 प्रमुख गतिविधियाँ संपन्न हुई इन गतिविधियों से लगभग 40 हजार करोड़ रूपये का निवेश और 34 हजार से अधिक रोजगार अवसरों का मार्ग प्रशस्त्र हुआ है। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 की यात्रा में राज्य सरकार ने अपने सभी संकल्पों को पूरा किया है। पिछले 2 टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव के माध्यम से प्रदेश को 46 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के बाद से टेक्नोलॉजी क्षेत्र में 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर आया है। इस अवधि में 22 नई औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण और 4 नई परियोजनाओं का भूमि-पूजन किया गया है, जो राज्य सरकार की कार्य गति और आत्मविश्वास का परिचायक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को भोपाल में एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 जीसीसी, डेटा सेंटर एवं सेमीकंडक्टर के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी क्षमता, योग्यता और बुद्धिमत्ता के आधार पर विश्व में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत का गौरवशाली अतीत पूरी दुनिया के सामने है और पिछले 12 वर्षों में भारत ने विश्व के सबसे तेज गति से विकसित होने वाले देशों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि भारत सभी क्षेत्रों

में दुनिया को नई दिशा दे रहा है और इस विकास यात्रा में मध्यप्रदेश भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कृषि, खनिज और वनों की पारंपरिक पहचान से आगे बढ़ते हुए प्रदेश आज डिफेंस, ड्रोन, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, रिन्यूएबल एनर्जी, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से लेकर फ्यूचर ग्रोइंग सेक्टर तक तेजी से प्रगति कर रहा है। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 प्रदेश की इसी विकास यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार एआई, डेटा सेंटर और सेमीकंडक्टर सहित सभी छोटे एवं बड़े उद्योगों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और सभी उद्योग समूहों को समान रूप से हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश साइंस सिटी, एआई, डीप टेक पार्क और डेटा सेंटर सहित विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार एआई सहित सभी क्षेत्रों में नवाचार, अनुसंधान, कौशल विकास और अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल है। यहाँ व्यक्ति अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य कर सकता है। मध्यप्रदेश की पहचान भारत रत्न से सम्मानित स्व. अटल बिहारी वाजपेयी से भी जुड़ी है, जिन्होंने देश के गौरवशाली अतीत से विश्व को परिचित कराया और संयुक्त राष्ट्र महासभा में राष्ट्रभाषा हिंदी में अपने विचार व्यक्त किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी उसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हिंदी में विश्व को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना के साथ आगे बढ़ते हुए मध्यप्रदेश में सभी क्षेत्रों में विकास की अपार संभावनाएं हैं। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक और सबसे युवा देश है। देश में प्रगति की असीम संभावनाएं हैं और राज्य सरकार युवाओं की योग्यता एवं क्षमता का पूरा उपयोग सुनिश्चित करते हुए उन्हें पर्याप्त रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

ग्रामीण सड़कों की गुणवत्ता, समयबद्ध निर्माण और तकनीकी क्षमता बढ़ाने पर जोर

भोपाल, (ए.)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की कार्यकारिणी समिति की बैठक में निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, तकनीकी दक्षता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग विशेषज्ञों की नियुक्ति के लिए शीघ्र टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ करने, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की नीतियों के अनुरूप कार्य प्रणाली अपनाने तथा विभाग की सभी विंगों के बेहतर समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री जन-मन योजना के अंतर्गत आदिवासी बाहुल्य बसावटों को सड़क संपर्क उपलब्ध कराने तथा माय गॉव से मजरा-टोला सड़क डिजाइनों के लिए प्रतियोगिता आयोजित करने के भी निर्देश दिए। साथ ही विभागीय प्रयोगशालाओं को अत्याधुनिक एवं सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बैच-1 में 973 मार्ग (2,117 किलोमीटर) स्वीकृत किए गए हैं, जिनसे 987 बसाहटों को लाभ मिलेगा, जबकि बैच-2 में 2,032 मार्गों पर कार्य प्रस्तावित है। क्षतिग्रस्त 1,776 पुलों में से 380 पुलों के पुनर्निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अलावा 210 विधानसभा क्षेत्रों में प्रति विधानसभा 20 किलोमीटर के मान से लगभग 4,000 किलोमीटर मजरा-टोला संपर्क मार्गों के निर्माण के लिए डीपीआर तैयार कर ली गई है।

"नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0" राज्यव्यापी जनजागरूकता अभियान का शुभारंभ 14 जुलाई को

भोपाल, (ए.)। मध्यप्रदेश को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 राज्यव्यापी जनजागरूकता अभियान का शुभारंभ 14 जुलाई 2026 को रवीन्द्र भवन, भोपाल में किया जाएगा। अभियान का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में होगा। इस अभियान में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, उच्च शिक्षा विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग की विशेष एवं सक्रिय सहभागिता रहेगी। इन विभागों के समन्वित प्रयासों से अभियान को प्रदेशभर में व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान किया जाएगा। यह अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक पूरे प्रदेश में संचालित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य प्रदेशवासियों, विशेषकर युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए जनभागीदारी के माध्यम से नशामुक्त मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए प्रेरित करना है।

भोपाल में स्कूटी पर बैठकर मोबाइल चला रहे व्यापारी पर पीछे से आए बदमाशों ने किया चाकू से हमला

भोपाल, (ए.)। बैरागढ़ क्षेत्र में स्कूटी पर बैठकर मोबाइल चला रहे एक कपड़ा व्यापारी पर दो बदमाशों ने पीछे से आकर जानलेवा हमला कर दिया। महज तीन सेकंड में आरोपितों ने लगातार दो बार चाकू से वार किया। दूसरे वार में चाकू व्यापारी की पीठ में धंस गया।

इसके बावजूद घायल व्यापारी करीब 20 फीट तक जान बचाने के लिए दौड़ा, जबकि दोनों हमलावर मौके से फरार हो गए। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

वारदात के बाद दोनों बदमाश तुरंत भाग निकले। बैरागढ़ पुलिस कारणों को लेकर जांच कर रही है। थाना प्रभारी अशोक गौतम के अनुसार सेवा सदन के पीछे रहने वाले नीरज जिनयानी बैरागढ़ बाजार में मैचिंग सेंटर का संचालन करते हैं। सोमवार सुबह करीब 11 बजे वह अपने घर के बाहर स्कूटी पर बैठे मोबाइल चला रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए दो अज्ञात युवकों ने बिना किसी बातचीत या विवाद के उन पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। दूसरे वार के बाद चाकू उनकी पीठ में धंस गया, जिसे निकालने की कोशिश किए बिना ही आरोपित भाग निकले। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायल व्यापारी को तत्काल निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। सीसीटीवी फुटेज में साफ तौर पर दिखाई दिया है कि कैप पहनकर आए दो बदमाशों ने बिना किसी बात के पीछे से हमला किया है और ताबड़तोड़ हमले के बाद जब व्यापारी वहां से भागे तो आरोपित भी फरार हो गए। टीआई गौतम का कहना है कि हमले के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है।घायल की स्थिति में सुधार हुआ है। घटना के संबंध में उनसे पूछताछ की गई है, लेकिन अब तक स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की पहचान की जा रही है।

भोपाल के बरकतउल्ला विश्वविद्यालय का नाम बदलने का विरोध तेज, विधायक आरिफ मसूद ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) का नाम बदलकर वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय किए जाने के प्रस्ताव का विरोध अब राजनीतिक स्तर पर भी तेज हो गया है। भोपाल मध्य से कांग्रेस विधायक आरिफ

मसूद ने सोमवार को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर विश्वविद्यालय का नाम यथावत रखने की मांग की। उन्होंने कहा कि 38 वर्ष पुरानी शैक्षणिक संस्था की पहचान और विरासत को समाप्त करना उचित नहीं है। यदि सरकार वाग्देवी भोजपाल के नाम से विश्वविद्यालय स्थापित करना चाहती है तो उसके लिए नई संस्था बनाई जाए। आरिफ मसूद ने अपने ज्ञापन में कहा कि 3 जून 2026 को विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने नाम परिवर्तन के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रस्ताव में महान स्वतंत्रता सेनानी मौलाना बरकतउल्ला भोपाली के योगदान को कमतर बताते हुए यह उल्लेख किया गया कि उनका जीवन विदेश में बीता और भोपाल का निवासी होने के अलावा उनका कोई विशेष योगदान दिखाई नहीं देता। मसूद ने इसे स्वतंत्रता संग्राम के एक महान सेनानी का अपमान बताते हुए कहा कि इस प्रकार की टिप्पणी न केवल इतिहास के साथ अन्याय है, बल्कि देशभक्ति की भावना को भी ठेस पहुंचाने वाली है। राज्यपाल को दिए ज्ञापन में आरिफ मसूद ने मौलाना बरकतउल्ला भोपाली के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जापान में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार की नींव रखने का श्रेय मौलाना बरकतउल्ला को दिया जाता है।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान से पहले मध्यप्रदेश पुलिस का नशा तस्करों पर बड़ा प्रहार

विगत दो दिनों में 1 करोड़ 32 लाख रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ, वाहन एवं अन्य सामग्री जब्त

भोपाल, (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 14 जुलाई को प्रारंभ किए जाने वाले राज्यव्यापी नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान से पहले मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रदेशभर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध व्यापक एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए नशा तस्करों पर बड़ा प्रहार किया है। विगत दो दिनों में प्रदेश के विभिन्न जिलों में की गई कार्यवाहियों के दौरान लगभग 1 करोड़ 32 लाख रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ, वाहन एवं अन्य सामग्री जब्त की गई है।

नीमच

जिले के थाना सिंगोली पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक पिकअप वाहन से 450 किलो 800 ग्राम डोडाचूरा जब्त कर राजस्थान निवासी एक तस्कर को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में पुलिस ने लगभग 72 लाख 64 हजार रूपए का डोडाचूरा, पिकअप वाहन, मोबाइल एवं अन्य सामग्री जब्त की है। इसके अतिरिक्त एक अन्य कार्यवाही में थाना नीमच सिटी पुलिस ने ट्रैवल्स बस के माध्यम से तस्करी कर ले जाए जा रहे 105 किलोग्राम डोडाचूरा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर लगभग 15 लाख 75 हजार रूपए का मादक पदार्थ जब्त किया है। इस प्रकार दोनों कार्यवाहियों में पुलिस ने 88 लाख 39 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है।

रतलाम

जिले के थाना औद्योगिक क्षेत्र जावरा पुलिस ने बिना नंबर की लग्जरी महिंद्रा थार से 200 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद किया। कार्रवाई में डोडाचूरा एवं लग्जरी वाहन सहित लगभग 25 लाख रूपए की संपत्ति जब्त की है। इसी प्रकार एक अन्य कार्यवाही में थाना माणकचौक पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 11 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए (MDMA) जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 10 हजार रूपए है।

इंदौर

थाना कनाड़िया पुलिस ने तीन एमडी ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 47.78 ग्राम एमडी ड्रग्स एवं तस्करी में प्रयुक्त कार सहित लगभग 15 लाख 70 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है।इसी प्रकार मंदसौर जिले के थाना नई आबादी पुलिस ने चार तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 65 किलोग्राम डोडाचूरा सहित 1 लाख 5 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की। वहीं कटनी जिले के थाना कुठला की बिलहरी पुलिस ने एक आरोपी को 10 किलोग्राम अवैध गांजा (कीमत लगभग 1 लाख 50 हजार रूपए) के साथ गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के उत्पादन, परिवहन, संग्रहण एवं बिक्री में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है। जब्त मादक पदार्थों के स्रोत, तस्करी नेटवर्क तथा इससे जुड़े अन्य आरोपियों के संबंध में विस्तृत विवेचना जारी है।15 जुलाई से प्रारंभ होने जा रहे नशे से दूरी है।

मध्य प्रदेश सरकार का कृषक कल्याण वर्ष केवल प्रचार, किसान बदहाल : कांग्रेस

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किए जाने पर सवाल उठाते हुए इसे किसानों के साथ छलावा और केवल प्रचार आधारित अभियान बताया। सोमवार को राजधानी भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित संयुक्त पत्रकार वार्ता में पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल और पूर्व प्रवक्ता राहुल राज ने आरोप लगाया कि प्रदेश का किसान खरीदी संकट, फसल बीमा की अव्यवस्था, खाद की कमी, बाजार में कम दाम, भ्रष्टाचार और बढ़ते कर्ज जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, जबकि सरकार वास्तविक समाधान के बजाय प्रचार पर अधिक ध्यान दे रही है। इस दौरान कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, स्वदेश शर्मा, अभिनव बरोलिया और कुंदन पंजाबी भी मौजूद रहे। शैलेंद्र पटेल ने आरोप लगाया कि प्रदेश में मूंग का उत्पादन अधिक होने के बावजूद सरकार ने केवल 4.54 लाख मीट्रिक टन खरीदी को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि प्रति हेक्टेयर खरीदी सीमा घटाकर तीन क्विंटल कर दिए जाने से किसानों को अपनी अधिकांश उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम कीमत पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने गेहूं और धान खरीदी को लेकर भी सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। उनका कहना था कि भाजपा ने संकल्प पत्र में गेहूं पर 2,700 रूपये प्रति क्विंटल भुगतान का वादा किया था, लेकिन किसानों को केवल 40 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया गया।

सेना भर्ती रैली की तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

कलेक्टर श्री मिश्रा ने व्यवस्थाओं की समीक्षा कर अभ्यर्थियों के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

भोपाल, (आरएनएस)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में 28 जुलाई से 08 अगस्त तक नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल कॉम्प्लेक्स में आयोजित होने वाली सेना भर्ती रैली की तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं समन्वित रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि भर्ती रैली में बड़ी संख्या में आने वाले अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें। उन्होंने आयोजन स्थल पर शुद्ध पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं, एम्बुलेंस, अस्थायी विश्राम व्यवस्था, स्वच्छता, चलित शौचालय, यातायात प्रबंधन तथा सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में सेना भर्ती कार्यालय (ARO) के भर्ती निदेशक कर्नल जयशंकर सिंह ने भर्ती प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाओं एवं तकनीकी पहलुओं की जानकारी देते हुए जिला प्रशासन के साथ समन्वय पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रशासन और सेना के बेहतर तालमेल से भर्ती रैली का सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित होगा। कलेक्टर श्री मिश्रा ने नगर निगम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, विद्युत वितरण कंपनी, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस तथा अन्य संबंधित विभागों को माइक्रो प्लान के अनुसार सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में आयोजन से जुड़े सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भोपाल के 829 कॉलोनियों के रहवासियों को झटका, हर घर नल कनेक्शन योजना की 874 करोड़ की फाइल लौटी

भोपाल, (आरएनएस)। राजधानी की 829 कॉलोनियों में हर घर तक नगर निगम का सीधा निजी नल कनेक्शन पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना फिलहाल ठंडे बस्ते में जाती नजर आ रही है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने नगर निगम की ओर से भेजे गए 874 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी देने से इनकार कर दिया है।विभाग ने स्पष्ट किया है कि योजना के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था नगर निगम को स्वयं करनी होगी। अब निगम निजी एजेंसी के माध्यम से इस योजना को लागू करने की संभावनाएं तलाश रहा है। करीब छह महीने पहले महापौर परिषद (एमआईसी) से मंजूर प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। विभाग ने वित्तीय स्वीकृति देने से इनकार करते हुए प्रस्ताव वापस भेज दिया। प्रस्ताव लौटने की जानकारी अधिकारियों द्वारा समय पर साझा नहीं किए जाने पर सांसद आलोक अग्रवाल और महापौर मालती राय ने नाराजगी जताई।

खेल मंत्री सारंग ने घुड़सवारी अकादमी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

- प्रदेश को घुड़सवारी के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान दिलाने की दिशा में करें कार्य : मंत्री सारंग

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को भोपाल स्थित मध्य प्रदेश राज्य घुड़सवारी अकादमी का निरीक्षण कर उपलब्ध खेल सुविधाओं, प्रशिक्षण व्यवस्थाओं तथा निर्माणाधीन अधोसंरचना का अवलोकन किया।निरीक्षण के बाद उन्होंने अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों के साथ समीक्षा बैठक कर अकादमी के समग्र विकास, खिलाड़ियों के प्रदर्शन तथा घुड़सवारी खेल को प्रदेश में अधिक लोकप्रिय बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।मंत्री सारंग ने सर्वप्रथम अकादमी के अस्तबल का निरीक्षण कर घोड़ों के रख-रखाव, स्वास्थ्य एवं प्रशिक्षण संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मल्टीपर्पस इंडोर एरीना का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इंडोर एरीना के निर्माण कार्य पूरा होने पर मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की घुड़सवारी प्रतियोगिताओं के आयोजन का मार्ग प्रशस्त होगा तथा खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।समीक्षा बैठक में मंत्री सारंग ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अकादमी के प्रत्येक खिलाड़ी की विस्तार से प्रोफाइल तैयार की जाए, जिसमें खिलाड़ियों की आवश्यक जानकारी संकलित हो। इससे यह समझा जा सकेगा कि घुड़सवारी खेल के प्रति किस आय वर्ग के युवाओं का अधिक रुझान है। सारंग ने कहा कि इस आधार पर भविष्य की कार्य-योजना तैयार कर अधिक से अधिक युवाओं को इस खेल से जोड़ा जा सकेगा। मंत्री सारंग ने अकादमी की स्थापना से लेकर अब तक की सभी उपलब्धियों, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के प्रदर्शन, अर्जित पदकों तथा महत्वपूर्ण उपलब्धियों का विस्तृत दस्तावेज तैयार करने के निर्देश दिए। इससे अकादमी की उपलब्धियों को और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा सकेगा।

इंदौर में उर्मिला सैनी हत्याकांड पर फूटा गुस्सा, डाक कर्मचारियों और रहवासियों ने घेरा थाना, जल्द कार्रवाई की मांग

इंदौर,(ए.)। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की हत्या के तीसरे दिन भी उनके फरार पति का सुराग न मिलने पर लोगों का गुस्सा भड़क उठा है। सोमवार को मृतका के रिश्तेदारों, स्थानीय रहवासियों और डाक विभाग के कर्मचारी संगठनों ने एकजुट होकर संयोगितागंज थाने का घेराव किया और आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी की मांग को लेकर पुलिस को ज्ञापन सौंपा।

डाककुंज कॉलोनी निवासी और डाक विभाग में पदस्थ पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की हत्या के मामले में आरोपितों की गिरफ्तारी न होने से परिजनों और विभागीय स्टाफ में भारी आक्रोश है। सोमवार को आक्रोशित लोगों और कर्मचारी यूनियनों ने संयोगितागंज थाने पहुंचकर प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का साफ तौर पर कहना था कि इतनी जघन्य वारदात के बीत जाने के बाद भी आरोपित पुलिस की गिरफ्त से बाहर होना बेहद गंभीर चिंता का विषय है।इस दौरान अखिल भारतीय रेल डाक सेवा एवं मेल मोटर सेवा कर्मचारी संघ (वर्ग-3), मध्य प्रदेश सर्किल के नेतृत्व में विभिन्न कर्मचारी यूनियनों और समाज के लोगों ने थाना प्रभारी केपी यादव को एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन के माध्यम से उर्मिला सैनी की नृशंस हत्या पर गहरा शोक जताते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी, मामले की निष्पक्ष व त्वरित जांच, पीड़ित परिवार को सुरक्षा और महिला कर्मचारियों की कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की गई है।

थाने का घेराव करने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने थाना प्रभारी से दो टूक शब्दों में कहा कि इस जघन्य अपराध में शामिल सभी चेहरों को जल्द से जल्द बेनकाब कर सलाखों के पीछे भेजा जाए। कर्मचारी संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि पुलिस प्रशासन द्वारा जल्द और संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई, तो वे लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

गाय को बचाते पलटा कोयले से भरा ट्रक पेड़ से टकराया, सभी सुरक्षित, लगा जाम

अनूपपुर, (ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के जैतहरी थाना क्षेत्र के धनगवां गांव के पास सोमवार को कोयला भरा ट्राला वाहन सड़क पर पलट गया। तेज रफ्तार ट्राला गाय को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर पलट गया और उसका अगला हिस्सा सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया। हादसे में चालक और सहचालक सुरक्षित है, जबकि सड़क पर कोयला बिखर गया।घटना के बाद अनूपपुर-वेंकटनगर मार्ग पर दोनों दिशाओं से भारी वाहनों की लंबी कतार लग गई। लगभग तीन घंटे में यह कतार तीन किलोमीटर तक पहुंच गई, जिससे यातायात बाधित हुआ। सूचना मिलते ही जैतहरी पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात बहाल करने का काम शुरू किया।थाना प्रभारी गोकुलानंद पांडे ने बताया कि चालक के अनुसार, घटना सुबह लगभग 5 से 6 बजे के बीच हुई। कोरबा (छत्तीसगढ़) से हिंदुस्तान पावर प्लांट (मोजर बियर पावर प्लांट, जैतहरी) आ रहा ट्राला धनगवां गांव के पास अचानक सामने आई गाय को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गया। पुलिस ने सड़क पर बिखरे कोयले को हटवाया और जेसीबी की मदद से पलटे हुए ट्राले को सड़क किनारे किया। लगभग 9 बजे तक यातायात सामान्य रूप से बहाल कर दिया गया।

मूक-बधिर मासूम से दरिंदगी करने वाले 3 सगे दरिंदों को आखिरी सांस तक जेल

अशोकनगर (ए.)। मध्य प्रदेश के अशोकनगर में विशेष अदालत ने मानसिक और शारीरिक रूप से अक्षम एक 10 वर्षीय मूक-बधिर मासूम बालिका के साथ हैवानियत करने वाले तीन सगे दरिंदों को शेष प्राकृतिक जीवनकाल (आखिरी सांस) तक के लिए आजीवन कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है।हरे रंग की बाइक पर किया था मासूम का अपहरण-सोमवार को अदालत से मिली जापनकारी अनुसार घटना 26 सितंबर 2025 की है। नईसराय थाने के अंतर्गत आने वाले एक ग्राम में रहने वाली 10 वर्षीय मूक-बधिर बालिका दोपहर में अपने भाई के घर खेल रही थी। तभी गांव किररदा के तीन आरोपी—भगवत कुशवाहा, अजय उर्फ संजू कुशवाहा और जगदीश उर्फ चऊआ कुशवाहा—उसे बहला-फुसलाकर हरे रंग की डीलक्स मोटरसाइकिल पर जबरन बैठाकर ले गए। आरोपियों गांव के बीच मक्के के खेत में ले जाकर इस मासूम के साथ सामूहिक दुष्कर्म (गैंगरेप) जैसी घिनौनी वारदात को अंजाम दिया और उसे लहूलुहान व बिना कपड़ों के वहीं छोडक़र भाग निकले।

इशारों की भाषा और गवाहों की मुस्तैदी से खुला राज-बताया गया कि खेत में रोती हुई हालत में मासूम को ग्रामीण सिरनाम पाल और भगवत परिहार ने देखा। उन्होंने तुरंत उसे सुरक्षित घर पहुंचाया और माता-पिता को जानकारी दी। चूंकि पीड़िता बोल और सुन नहीं सकती थी और उसकी मां भी मानसिक रूप से दिव्यांग हैं, इसलिए पीड़िता के पिता ने अपनी बेटी के हाव-भाव और इशारों की भाषा को समझकर तुरंत 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी और नईसराय थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।रिपोर्ट ने नहीं छोड़ा बचने का कोई रास्ता-इस संवेदनशील मामले में पुलिस और अभियोजन ने तेजी से साक्ष्य जुटाए। मामले में सबसे अचूक और वैज्ञानिक सबूत डीएनए सैंपल की कार्रवाई रही। जब डीएनए रिपोर्ट आई, तो उसमें यह पूरी तरह प्रमाणित हो गया कि मासूम के साथ दरिंदगी इन्हीं तीनों आरोपियों ने की थी।

बैल के हमले से घायल मरीज का देर रात सर्जन ने किया उपचार कर बचाई जान

अनूपपुर (आरएनएस)। डॉक्टर भगवान तो नहीं लेकिन भगवान से कम भी नहीं वाली कहावत रविवार की देर रात जिला चिकित्सालय में प्रत्यक्ष रूप से देखने को मिली, जहां बैल बांधते समय एक अधेड़ पर बैल ने हमला कर गंभीर रूप से घायल किए जाने पर पेट फटने से अंदर की पूरी आंते बाहर आ गई। सूचना पर चिकित्सक सर्जन साकेत कौशिक देर रात चिकित्सालय पहुंचकर पीड़ित का उपचार किए जाने से जान बच सकी। जानकारी के अनुसार, जैतहरी तहसील एवं थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत गौरेला निवासी 50 वर्षीय बहादुर सिंह गोंड रविवार की शाम घर के गौशाला में पालतू बैल को बांध रहे थे तभी अचानक बैल ने हमला कर दिया जिससे बैल की सींग बहादुर के पेट में घुसने से पेट के अंदर की पूरी आंत बाहर आ गई। घटना की जानकारी मिलने पर पूर्व जनपद सदस्य फुंदेलाल सिंह ने जिला मुख्यालय अनूपपुर के सामाजिक कार्यकर्ता शशिधर अग्रवाल एवं जैतहरी बीएमओ डॉक्टर मोहन सिंह श्याम को घटना की जानकारी देते हुए मरीज को एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय लाया गया, ड्यूटी डॉक्टर हिमांशु पांडेय एवं शशिधर अग्रवाल की सूचना पर सर्जन डां. कौशिक साकेत कौशिक देर रात जिला चिकित्सालय पहुंचकर 2 घंटे की निरंतर मेहनत करते हुए मरीज के पेट से बाहर निकले आंतो को पूरी तरह अंदर करते हुए कई टाके लगाकर नया जीवन दिया।

दस्तक अभियान का शुभारंभ आज से

उज्जैन (आरएनएस)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बाल्यकालीन बीमारियों की पहचान एवं त्वरित उपचार व रेफर सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश भर में दस्तक अभियान के प्रथम चरण का आयोजन 14 जुलाई से 31 अगस्त तक किया जायेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि डायरिया बीमारी से बढ़ती शिशु मृत्यु दर को संज्ञान में लेते हुए "स्टॉप डायरिया कैम्पेन" सह दस्तक अभियान डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान की थीम पर आधारित है। जिसमें जन्म से पांच वर्ष तक के बच्चों में गंभीर कुपोषण, एनीमिया, निमोनिया, निर्जलीकरण, संक्रमण की पहचान, त्वरित उपचार एवं आवश्यकता अनुसार रेफरल के साथ-साथ विटामिन ए की खुराक दी जायेगी ।

"एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत कृषि विज्ञान केंद्र ग्वालियर में हुआ करंज एवं खमेर के पौधों का रोपण

ग्वालियर (ए.)। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र, ग्वालियर परिसर में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने करंज एवं खमेर (सफेद टीक) के पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. शैलेन्द्र सिंह कुशवाह ने कहा कि करंज एवं खमेर दोनों ही पर्यावरण संरक्षण, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा इमारती एवं औषधीय दृष्टि से महत्वपूर्ण वृक्ष हैं। कृषि वानिकी की वैज्ञानिक डॉ. अमिता शर्मा ने कहा कि "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान मातृ सम्मान के साथ-साथ धरती माँ के संरक्षण का भी प्रेरक संदेश देता है। कार्यक्रम में रोपे गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का दायित्व केंद्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा लिया गया।

व्यापार समाचार

मध्य पूर्व संकट के बीच भारत की ईंधन सुरक्षा मजबूत, आपूर्ति संकट से निपटने को तैयार भारत

नई दिल्ली (आरएनएस)। मध्य पूर्व में ईरान-अमेरिका के बीच युद्ध फिर से शुरू होने के बाद भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पहले के मुकाबले अच्छी स्थिति में है। यह जानकारी एक्सपर्ट्स की ओर से सोमवार को दी गई। एक्सपर्ट्स ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है, जब अमेरिका की ओर से हमले करने के बाद ईरान ने 11 जुलाई को होर्मुज स्ट्रेट को फिर से बंद करने का ऐलान किया है।

ईरान के ऐलान के बाद रविवार को होमुर्ज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही करीब बंद रही। एक रिफाइनरी से जुड़े अधिकारी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट के फिर से बंद होने के साथ सितंबर और अक्टूबर के लिए उत्पादन लागत बढ़ सकती है। हालांकि, इस बार हम पहले के मुकाबले अच्छी स्थिति में है, क्योंकि देश ने अगस्त तक के कच्चे तेल और एलपीजी आयात को सुरक्षित कर लिया है। हालांकि, एनएनजी में कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन वह प्रबंधनीय है।

मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी तेजी देखने को मिली है। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का दाम करीब 5 प्रतिशत बढ़कर 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया हैष डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम भी 5 प्रतिशत बढ़कर 75 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया है।

भारतीय बाजार पर गोल्डमैन सैश का भरोसा बढ़ा, निफ्टी के 26,500 तक जाने का अनुमान

मुंबई (आरएनएस)। भारत में विदेशी निवेशकों की बिकवाली का दौर करीब समाप्त हो गया है और विदशी निवेशकों की कम हिस्सेदारी और मजबूत घरेलू आधार के चलते भारतीय इक्विटी बाजार के लिए धारणा सकारात्मक बनी हुई है। यह जानकारी गोल्डमैन सैश के विश्लेषकों ने जुलाई में अपनी इंडिया स्ट्रैटेजी नोट में दी।

गोल्डमैन सैक्स में एशिया मैक्रो रिसर्च के को-हेड और एशिया-पैसिफिक इक्विटी स्ट्रैटेजिस्ट टिमोथी मो ने अमोरिता गोयल और सुनील कौल के साथ लिखे नोट में कहा है कि निफ्टी जून 2027 तक बढ़कर 26,500 के स्तर पर जा सकता है, जो कि मौजूदा स्तरों से 10 प्रतिशत अधिक है।

नोट में कहा गया कि जुलाई का आउटलुक मई 2026 के उनके रुख से बिल्कुल अलग है, जब उन्हें उत्तर एशिया के दूसरे देशों के मुकाबले भारतीय इक्विटी में रिस्क-रिवॉर्ड का समीकरण 'कम आकर्षक' लगा था। इसके अलावा, उन्हें यह उम्मीद नहीं थी कि विदेशी निवेशक जल्द ही भारतीय बाजार में लौटेंगे, भले ही तेल की कीमतें कम हो जाएं।

मो, गोयल और कौल ने अपने नोट में लिखा है कि 2026 की पहली छमाही में वैश्विक निवेशकों ने भारत को फंडिंग मार्केट के रूप में उपयोग किया। इस दौरान केवल 3.5 महीने में ही विदेशी निवेशकों ने 30 अरब डॉलर से ज्यादा की भारतीय इक्विटी में बिकवाली की। हालांकि, जून के दूसरे पखवाड़े से विदेशी निवेशक फिर से शुद्ध खरीदार हो गए हैं और इस दौरान उन्होंने करीब दो अरब डॉलर का निवेश किया है।

नोट में आगे कहा गया कि भारतीय इक्विटी में ग्लोबल फंड्स की 'अंडरवेट' स्थिति को देखते हुए, उनके पास अपने स्थिति को संतुलित करने का काफी अच्छा मौका है। हालांकि, लगातार आय के डाउनग्रेड का दौर और दूसरे बाजारों की तुलना में ग्रोथ-वैल्यूएशन का कम आकर्षक जोड़ निवेशकों के लिए मुख्य चिंता का विषय बना रहेगा, लेकिन घरेलू रिकवरी के बारे में बेहतर जानकारी निवेशकों को उम्मीद के मुताबिक रिकवरी को पहले से ही प्राइस-इन करने के लिए प्रेरित करेगी।

एनएसडीएल के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 में अब तक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय इक्विटी से 1.28 लाख करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की है। जून में उन्होंने 49,340 करोड़ रुपए की बिकवाली की, जबकि जुलाई में एफआईआई ने भारतीय शेयर बाजारों में 15,157 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सोने-चांदी में बड़ी गिरावट, कीमतों पर बिकवाली का दबाव

मुंबई (आरएनएस)। वैश्विक बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता और डॉलर की मजबूती के बीच सोमवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में दोनों कीमती धातुओं पर बिकवाली का दबाव देखने को मिला।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 5 अगस्त 2026 डिलीवरी वाला सोना पिछली क्लोजिंग 1,43,478 रुपये प्रति 10 ग्राम के मुकाबले गिरावट के साथ 1,42,633 रुपये पर खुला। सुबह के कारोबार में यह करीब 1,42,064 रुपये प्रति 10 ग्राम तक फिसल गया। कारोबार के दौरान सोने ने 1,41,557 रुपये का निचला और 1,43,478 रुपये का ऊपरी स्तर छुआ।

वहीं, 4 सितंबर 2026 डिलीवरी वाली चांदी भी दबाव में रही। यह पिछली क्लोजिंग 2,22,664 रुपये प्रति किलोग्राम के मुकाबले गिरकर 2,18,648 रुपये पर खुली और बाद में 2,18,476 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास कारोबार करती दिखाई दी। सत्र के दौरान चांदी का निचला स्तर 2,17,277 रुपये प्रति किलोग्राम रहा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं में कमजोरी का रुख बना रहा। कॉमेक्स पर सोने और चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे घरेलू बाजार की धारणा भी प्रभावित हुई।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, डॉलर इंडेक्स में मजबूती और वैश्विक निवेशकों की बदली रणनीति के कारण सोने-चांदी में मुनाफावसूली देखने को मिली। मजबूत डॉलर आमतौर पर सोने जैसी धातुओं को अन्य मुद्राओं में महंगा बनाता है, जिससे उनकी मांग पर असर पड़ता है।

विश्लेषकों का कहना है कि मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक वित्तीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ा दी है। हालांकि, ऐसे घटनाक्रमों का सोने और चांदी की कीमतों पर प्रभाव कई कारकों—जैसे डॉलर की चाल, बॉन्ड यील्ड और निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता—पर निर्भर करता है। इसलिए आने वाले दिनों में निवेशकों की नजर वैश्विक घटनाक्रम और प्रमुख आर्थिक संकेतकों पर बनी रहेगी।

भारतीय रियल एस्टेट सेक्टर में निजी इक्विटी निवेश बढ़ा, जनवरी-जून में आए 3.2 अरब डॉलर

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रियल एस्टेट सेक्टर में जनवरी-जून अवधि यानी 2026 की पहली छमाही में 3.2 अरब डॉलर का निजी इक्विटी निवेश आया है। इसमें सालाना आधार पर 33 प्रतिशत की बढ़त देखी गई है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

ग्लोबल रियल एस्टेट कंसल्टिंग फर्म 'सैविल्स इंडिया' की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की दूसरी तिमाही में निवेश का प्रवाह 2 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है।

प्राइवेट इक्विटी इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टमेंट में प्राइवेट रूट से किए गए इक्विटी डील, एआईएफ और एनसीडी जारी करने के जरिए स्ट्रक्चर्ड डेट डील शामिल हैं, लेकिन इसमें फंड जुटाने में क्यूआईपी, पब्लिक मार्केट डील और प्लेटफॉर्म बनाने के जरिए किए गए साधारण डेट डील शामिल नहीं हैं।

2026 की दूसरी तिमाही में हुए कुल निवेश में डेटा सेंटर्स का हिस्सा 38 प्रतिशत रहा, जिससे ऑफिस-आधारित निवेश के ट्रेंड में बदलाव दिखा।

इसके बाद ऑफिस सेगमेंट का 30 प्रतिशत हिस्सा रहा, जबकि रेजिडेंशियल सेगमेंट 16 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

कुल मिलाकर, 2026 की पहली छमाही में ऑफिस सेगमेंट सबसे आगे रहा, जिसमें इक्विटी निवेश का 34 प्रतिशत हिस्सा शामिल था।

निवेशकों ने हॉस्पिटैलिटी (8 प्रतिशत) और स्टूडेंट हाउसिंग या को-लिविंग (3 प्रतिशत) जैसे क्षेत्रों में भी निवेश किया।

चलती ट्रेन में रुद्राभिषेक के वायरल वीडियो का रेलवे ने खोला राज, इतने में बुक किया गया था आलीशान कोच; जानें बुकिंग का तरीका

नई दिल्ली (आरएनएस)। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो ने तहलका मचाया हुआ है, जिसमें कुछ लोग चलती ट्रेन के अंदर पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना और रुद्राभिषेक करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को देखकर हर कोई हैरान था कि आखिर ट्रेन में ऐसा कैसे हो सकता है? लोगों के मन में उठ रहे तमाम सवालों के बीच अब उत्तर रेलवे ने खुद सामने आकर एक ऐसा खुलासा किया है, जिसने सबको चौंका दिया है। रेलवे ने बताया है कि यह कोई आम डिब्बा नहीं था, बल्कि एक पार्टी ने पूरे 3,08,580 रुपये का एडवांस पेमेंट करके इस खास 'सैलून कोच' की कमर्शियल बुकिंग कराई थी। तो आइए जानते हैं कि आखिर ट्रेन में यह सैलून कोच क्या होता है और आप इसे कैसे बुक कर सकते हैं।

आखिर क्या होता है यह आलीशान 'सैलून कोच'?

भारतीय रेलवे अपने यात्रियों की मांग और सहूलियत के हिसाब से कई वीआईपी सुविधाएं देता है, और यह 'सैलून कोच' उसी का एक शानदार हिस्सा है। यह ट्रेनों में लगने वाला कोई सामान्य कोच नहीं है, बल्कि यह पटरियों पर दौड़ता हुआ एक 'चलता-फिरता लग्जरी कमरा' है। यात्री की स्पेशल डिमांड पर इसे किसी भी रेगुलर ट्रेन के सबसे पीछे अलग से जोड़ा जाता है। इस कोच के अंदर आपको किसी फाइव स्टार होटल जैसी सुविधाएं मिलती हैं, जिसमें आरामदायक बेड, सोफे, भव्य लिविंग और डाइनिंग एरिया के साथ-साथ शानदार बाथरूम भी होते हैं। इतना ही नहीं, इसमें एक छोटा किचन भी मौजूद होता है, जहां आप सफर के दौरान अपने परिवार के लिए गर्मागर्म खाना खुद तैयार कर सकते हैं।

कभी सिर्फ बड़े अफसरों का था राज, अब आप कैसे करें बुक?

एक वक्त था जब इस आलीशान सैलून कोच का इस्तेमाल सिर्फ रेलवे के टॉप अधिकारी ही अपनी इंस्पेक्शन के दौरान किया करते थे। आम लोगों का इसमें जाना मना था।

लेकिन साल 2018 में रेलवे ने अपनी कमाई बढ़ाने के लिए इसके दरवाजे आम जनता के लिए भी खोल दिए। अगर आप अपने पूरे परिवार या दोस्तों के साथ किसी ट्रिप पर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आप भी इसे बुक कर सकते हैं। इसकी ऑनलाइन बुकिंग आईआरसीटीसी (IRCTC) की आधिकारिक वेबसाइट पर 'CHARTER TRAIN' के विकल्प में जाकर की जा सकती है। हालांकि, इसके लिए आपको सफर से कम से कम 30 दिन पहले बुकिंग करनी होगी और लाखों रुपये के किराए के साथ-साथ एक मोटी रकम सिक्योरिटी डिपॉजिट के तौर पर जमा करानी होगी।चलती ट्रेन में पूजा के वायरल वीडियो पर सफाई देते हुए उत्तर रेलवे ने पूरी स्थिति स्पष्ट कर दी है। रेलवे प्रशासन ने बताया कि इस सैलून कार को 8 जुलाई को आईआरसीटीसी के जरिए बाकायदा कमर्शियल तौर पर बुक किया गया था। पार्टी ने एडवांस में तीन लाख रुपये से ज्यादा का भुगतान किया था, जिसके बाद 10 जुलाई को नई दिल्ली से मुंबई जाने वाली पश्चिम एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर- 12926) में इसे जोड़ा गया।

रोड इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियां इनविट्स के माध्यम से जुटाएंगी 40,000 करोड़ रुपये : रिपोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की रोड इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियां वित्त वर्ष 2026-27 में इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट्स) के माध्यम से करीब 40,000 करोड़ रुपए की एसेट मोनेटाइजेशन करने की तैयारी में हैं, जिसका उद्देश्य पूंजी (कैपिटल) जुटाना, कर्ज का बोझ कम करना और भविष्य के विस्तार के लिए वित्तीय संसाधन जुटाना है।

ब्रिकवर्क रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस वित्तीय वर्ष के दौरान सड़क क्षेत्र में सरकार के निरंतर निवेश के दम पर करीब 10,000 किलोमीटर नए हाईवे, एक्सप्रेसवे और हाई-स्पीड कॉरिडोर परियोजनाओं के आवंटन का भी लक्ष्य रखा गया है।रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2027 के दौरान सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की क्रेडिट प्रोफाइल स्थिर बनी रहने की उम्मीद है, जिसकी प्रमुख वजह मजबूत टोल कलेक्शन, परियोजनाओं की स्वस्थ पाइपलाइन और नए वित्तपोषण मॉडलों को तेजी से अपनाया जाना है।रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2027 में इस क्षेत्र की आय (रेवेन्यू) में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है, जबकि वित्त वर्ष 2026 में यह वृद्धि 7.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। वहीं, ऑपरेटिंग मार्जिन भी 24.3 प्रतिशत से बढ़कर 25.1 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इसका मुख्य कारण परियोजनाओं का तेजी से क्रियान्वयन और कच्चे माल की लागत में कमी है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

विधायिका की गरिमा लांछित

विधानसभा से पारित किसी कानून पर स्पष्टीकरण देने के लिए निर्वाचित प्रतिनिधि धार्मिक मंच पर हाजिर होने लगे, तो उसे राजसत्ता के प्राधिकार के समर्पण के रूप ही देखा जाएगा। इससे विधायिका की गरिमा लांछित होती है। पंजाब में आम आदमी पार्टी ('आप') सरकार का यह रुख कि अकाल तख्त सर्वोच्च है और उसके फैसलों को पूरी श्रद्धा से माना जाएगा, भारतीय संविधान के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप पर समझौता करने की एक और चिंताजनक मिसाल है। भगवंत मान सरकार ने इसके पहले 'जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम-2026 पारित कराया। उस विवादास्पद कानून ने देश में पंथ-निरपेक्ष लोकतंत्र और व्यावहारिक राजनीति के बीच बढ़ते जा रहे टकराव को उजागर किया। उसके बाद 'आप' ने यह फैसला लिया कि उसके सभी सिख मंत्री और विधायक अकाल तख्त के सामने पेश होंगे।यहां यह उल्लेख अवश्य होना चाहिए कि राजनेताओं के ऐसा रुख अपनाने का यह पहला मौका नहीं है। खालिस्तान आंदोलन के दौरान तत्कालीन राष्ट्रपति, तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री और पंजाब के अनेक राजनेताओं ने संवैधानिक पद पर रहते हुए अकाल तख्त के सामने मत्था टेका था। तब से संगठित रूप से धर्म और राजनीति के मेल की प्रवृत्ति ऐसी बढ़ी कि अब ऐसी घटनाओं पर औपचारिक एतराज भी नहीं जताया जाता है। फिर भी यह दोहराने की जरूरत है कि विधानसभा से पारित किसी कानून (बेअदबी विरोधी कानून) पर स्पष्टीकरण देने के लिए निर्वाचित प्रतिनिधि धार्मिक मंच पर हाजिर होने लगे, तो उसे राजसत्ता के प्राधिकार के समर्पण के रूप ही देखा जाएगा। इससे निर्वाचित विधायिका की गरिमा भी लांछित होती है, जो संवैधानिक रूप से नागरिकों और संविधान के प्रति जवाबदेह है। इस तथ्य के प्रति भी सबको जागरूक रहना चाहिए कि तुष्टीकरण या समुदाय विशेष में प्रतिकूल राजनीतिक प्रतिक्रिया के डर से निर्वाचित सरकारें अपनी संवैधानिक शक्तियों का धार्मिक संस्थाओं के आगे समर्पण करने लगें, तो आधुनिक लोकतंत्र की बुनियाद दरकती ही चली जाएगी। 'आप' नेतृत्व को समझना चाहिए धर्म या आस्था के प्रति सम्मान दिखाना और संवैधानिक संप्रभुता से समझौता करना दो अलग-अलग बातें हैं। इस फर्क को बनाए रखना उन सभी राजनीतिक दलों का कर्त्तव्य है, जो भारतीय संविधान से संचालित व्यवस्था में भाग लेते हैँ। बेशक,'आप' इस कर्त्तव्य से समझौता करने वाला अकेला दल नहीं है, लेकिन यह उसके किसी निर्णय या कार्य के बचाव का तर्क नहीं हो सकता।

देश के अंदर व्यवस्थित दो देश बनाए गए

हरिशंकर व्यास

हां, देश के अंदर व्यवस्थित तरीके से दो देश बनाए गए हैं। एक आम आदमी का देश है और दूसरा वीआईपी का है या पैसे वालों के लिए है। सोचें, देश के बड़े मंदिरों में आधिकारिक रूप से वीआईपी दर्शन की सुविधा होती है। आम आदमी जहां 12-12 घंटे लाइन में खड़ा रहता है वही वीआईपी को चुटकियों में दर्शन कराया जाता है। इतना ही नहीं शीघ्र दर्शनम की भी व्यवस्था है। पांच सौ या हजार रुपए की टिकट कटा कर आम लोगों यानी कैटल क्लास से अलग लाइन में लग कर दर्शन किया जा सकता है। लेकिन अगर कई व्यक्ति इसे दो भारत बता कर सवाल उठाए तो देश विरोधी और हिंदू विरोधी कहा जाता है।

असल में मीडिया और सरकार के नैरेटिव में सिर्फ गुलाबी तस्वीर दिखाई जाती है। उसी आधार पर दावा किया जाता है कि भारत में समृद्धि आ रही है। असल में ऐसा नहीं है। भारत की प्रति व्यक्ति आय बढ़ रही है तो वह 10 फीसदी लोगों की बढ़ रही है। प्रति व्यक्ति उपभोग बढ़ रहा है तो वह 10 फीसदी लोगों का बढ़ रहा है। महंगे फोन, लक्जरी ब्रांड की वस्तुएं और गाड़ियां बिक रही हैं तो खरीदार वही 10 फीसदी का वर्ग है। अगर इनकी चमक दमक ही हर जगह दिखाई जाएगी तो असली भारत की तस्वीर कभी भी सामने नहीं आएगी।

तभी सरकार के विज्ञापनों में या मीडिया में किसान जैसा दिखाया जाता है, असल में भारत का किसान वैसा नहीं है। जैसी महिला दिखाई जाती है, असल में महिलाएं वैसी नहीं हैं। जैसा युवा दिखाया जाता है वह भी वैसा नहीं है। जो असलियत में है उसकी तस्वीर सामने नहीं आती है। कभी कभार अगर असली तस्वीर सामने आ जाती है तो वह भी ज्यादा समय तक लोगों की मेमोरी में टिकती नहीं है क्योंकि संवेदनहीनता भी इस समाज की अब एक बड़ी पहचान है।

औषधि नियम,1945 में ऐतिहासिक संशोधन -व्यापक विश्लेषण

नशाखोरों पर कानून का शिकंजा -भारत सरकार का ऐतिहासिक नीतिगत प्रहार, कानूनी लीक़ेजेस बंद कर नशाखोरों पर चारों तरफ से घेराबंदी

देश में कफ सिरप,टॉनिक, पाचक द्रव्यों और अन्य सुगंधित औषधीय मिश्रणों के रूप में धड़ल्ले से किए जा रहे गैर- चिकित्सीय नशे और फार्मास्युटिकल दुरुपयोग की जड़ों पर ऐतिहासिक प्रहार

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया

वैश्विक स्तरपर दवा और मादक पदार्थों के बीच की धुंधली होती लकीर वर्तमान समय में वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक अभूतपूर्व चुनौती बन चुकी है। पारंपरिक रूप से समाज जिन रसायनों को चिकित्सा,शारीरिक रिकवरी और उपचार का माध्यम मानता आया है,आज वही रसायन एक छिपे हुए वैश्विक महामारी के रूप में युवा पीढ़ी को अपनी गिरफ्त में ले रहे हैं। इस गंभीर संकट को भांपते हुए,भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक युगांतकारी कदम उठाते हुए औषधि नियम,1945 में ऐतिहासिक संशोधन किया है।भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आधिकारिक गज़ट नोटिफिकेशन 8 जुलाई 2026 (ज़ी.एस.आर.607 (ई) को जारी किया गया,आधिकारिक गज़ट में प्रकाशित होने के बाद, इन नए सख्त नियमों को देश भर में पूरी तरह प्रभावी होने के लिए छह महीने का समय दिया गया है। इस प्रकार, दवा निर्माताओं और फार्मेसियों के लिए यह संशोधन जनवरी 2027 से अनिवार्य रूप से लागू माना जाएगा ताकि तब तक उद्योग जगत पैकेजिंग और फॉर्मूलेशन में आवश्यक बदलाव कर सके इस नए कानून के तहत अब ऐसी सभी ओरल लिक्विड (तरल) दवाएं, जिनमें एथिल अल्कोहल की मात्रा 12 प्रतिशत वी /वी से अधिक है और जिनकी पैकिंग 30 मिलीलीटर से बड़ी है,उन्हें पूरी तरह से नियंत्रित करते हुए शेड्यूल एच1 के दायरे में ला दिया गया है। इस कठोर विनियामक हस्तक्षेप का प्राथमिक और मूल उद्देश्य देश में कफ सिरप, टॉनिक, पाचक द्रव्यों और अन्य सुगंधित औषधीय मिश्रणों के रूप में धड़ल्ले से किए जा रहे गैर- चिकित्सीय नशे और फार्मास्युटिकल दुरुपयोग की जड़ों पर प्रहार करना है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र अधिवक्ता होने के नाते बता दूं कि नशे के आदी लोगों और विशेषकर किशोरों द्वारा कानून की कमियों का फायदा उठाकर किया जाने वाला यह दुरुपयोग केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक विनियामक चिंता का विषय रहा है। लंबे समय से कुछ विशिष्ट औषधीय फॉर्मूलेशन,जैसे कि अदरक, इलायची और पुदीने के टिंचर तथा कई पारंपरिक स्वास्थ्य टॉनिक, औषधि नियम,1945 के शेड्यूल के, के तहत लाइसेंसिंग आवश्यकताओं से पूरी तरह मुक्त थे। इस छूट कापरिणाम यह हुआ कि जिन दवाओं में अल्कोहल की सांद्रता 80 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक थी,वे भी बाजार

में बिना किसी सख्त निगरानी के ओवर-द- काउंटर यानी बिना पर्ची के आसानी से उपलब्ध थीं। कई राज्य सरकारों द्वारा इस पर गहरी चिंता जताए जाने के बाद केंद्र सरकार ने शेड्यूल के से इस छूट को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है, जिससे अब इन दवाओं के निर्माण, भंडारण और वितरण के लिए औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत अनिवार्य रूप से लाइसेंस लेना होगा। यह संशोधन सीधे तौर पर उस छिपे हुए और सामाजिक रूप से स्वीकृत नशे की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ता है, जो बिना किसी रोक-टोक के समाज में सटीकता से जहर घोल रही थी।

साथियों बात अगर हम विशिष्ट विनियामक कानूनीधाराएं और दंडात्मक प्रावधानइस कानून को जमीन पर सख्ती से लागू करने के लिए सरकार ने इसे औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम,1940 ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट ,1940 के दंडात्मक प्रावधानों से जोड़ा है। अधिनियम की धारा 18(सी) के तहत बिना वैध निर्माण या बिक्री लाइसेंस के इन दवाओं का भंडारण या वितरण करना एक संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध माना जाएगा। नए संशोधनों के तहत: शेड्यूल एच1 नियमों के प्रथम उल्लंघन पर: यदि कोई केमिस्ट या फार्मासिस्ट पहली बार बिना डॉक्टर के पर्चे के 12 प्रतिशत से अधिक अल्कोहल वाली दवा बेचते या बिक्री का 3 वर्ष का रिकॉर्ड न मेंटेन करते हुए पकड़ा जाता है, तो राज्य दवा नियामक प्राधिकरण द्वारा उसका लाइसेंस 15 से 30 दिनों के लिए निलंबित किया जा सकता है। बार-बार नियमों का उल्लंघन करने पर: यदि कोई रिटेलर जानबूझकर नियमों की अवहेलना जारी रखता है, तो अधिनियम की धारा 27(डी) के तहत उसका दुकान लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द किया जा सकता है। इसके साथ ही उसे न्यूनतम 3 वर्ष से लेकर अधिकतम 5 वर्ष तक की जेल की सजा और कम से कम 1 लाख रुपये का भारी वित्तीय जुर्माना भी भुगतना पड़ सकता है। सिंडिकेट या थोक डायवर्जन के मामले में: यदि जांच में यह साबित होता है कि किसी डिस्ट्रीब्यूटर या मैन्युफैक्चरर ने जानबूझकर नशे के सिंडिकेट को लाभ पहुंचाने के लिए थोक स्तर पर इन दवाओं की काला बाजारी की है, तो अपराध की गंभीरता को देखते हुए धारा 27(ए) के तहत आजीवन कारावास तक की कड़ी सजा का प्रावधान सटीकता से लागू हो सकता है।

साथियों, समकालीन विश्व में मादक पदार्थों के सेवन के तरीकों में एक बड़ा पैराडाइम शिफ्ट या संरचनात्मक बदलाव देखा गया है। अब पारंपरिक अवैध ड्रग्स जैसे हेरोइन, चरस या कोकीन के बजाय, युवा वर्ग कानूनी रूप से उपलब्ध फार्मास्युटिकल दवाओं के दुरुपयोग की ओर तेजी से आकर्षित हो रहा है। इसके पीछे मुख्य कारण इन दवाओं का अत्यंत सस्ता होना, आसानी से मेडिकल स्टोर पर मिल जाना, गंधहीन होना और पारंपरिक नशीले पदार्थों की तरह पकड़े जाने का सामाजिक कलंक या कानूनी डर न होना है। कफ सिरप (जैसे कोडीन आधारित या उच्च अल्कोहल युक्त सिरप) और रिस्टोरेटिव टॉनिक का अत्यधिक मात्रा में सेवन कर तत्काल हाई प्राप्त करना एक वैश्विक फैशन बन चुका है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस प्रवृत्ति को फार्मा-विंडिंग या औषधीय नशे के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जहां लोग मानसिक तनाव,अकेलेपन या तात्कालिक आनंद के लिए दवाओं की पूरी की पूरी बोतलें एक बार में पी जाते हैं। साथियो,नशे के इस नए चलन ने चिकित्सा विज्ञान, समाज शास्त्रियों और नीति निर्माताओं को समान रूप से गहराई से चिंतित किया है। उच्च अल्कोहल सांद्रता वाली ये दवाएं, जब बिना किसी चिकित्सीय आवश्यकता के अत्यधिक मात्रा में शरीर में जाती हैं, तो यह सीधे केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करती हैं और व्यक्ति की निर्णय क्षमता को शून्य कर देती हैं। लंबे समय तक इस तरह का सेवन करने से लीवर सिरोसिस, किडनी का फेल होना, क्रोनिक गैस्ट्राइटिस, हृदय संबंधी विसंगतियां और गंभीर मानसिक विकार जैसे अपरिवर्तनीय स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न होते हैं।

श्रुतधाम : ज्ञान, साधना और संस्कृति का जीवंत तीर्थ

कृति आरके जैन

समय की धूल राजमहलों को ढँक सकती है, पर शब्दों की ज्योति कभी नहीं बुझती। किसी समाज की सबसे अमूल्य निधि उसके ग्रंथ, उसकी परंपरा और उसकी स्मृतियाँ होती हैं। जब ये बिखरने लगते हैं, तब केवल इतिहास नहीं खोता, आत्मा भी मौन होने लगती है। ऐसे विरले तपस्थल, जो इस अमूल्य विरासत को पुन: जीवन देकर पीढ़ियों तक पहुँचा दें, वे केवल संस्थान नहीं, संस्कृति के शाश्वत दीप बन जाते हैं। मध्यप्रदेश के बीना, सागर स्थित अनेकांत ज्ञान मंदिर (श्रुतधाम), राष्ट्रसंत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य दिगम्बर जैन मुनिश्री सरलसागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में विकसित, ऐसी ही दिव्य ज्ञान-साधना का जीवंत आलोक है।

श्रुत की रक्षा नहीं, श्रुत का पुनर्जागरण

जब समय अपनी अमूल्य धरोहरों को विस्मृति के हवाले कर रहा था, तब 20 फरवरी 1992 को श्रुतधाम एक मौन संकल्प बनकर प्रकट हुआ। यह किसी भवन का आरंभ नहीं, बल्कि उस चेतना का जागरण था जिसने श्रुत परंपरा को संग्रह नहीं, पीढ़ियों के संस्कार का आधार माना। यहाँ इतिहास को अतीत की स्मृति बनाकर नहीं छोड़ा गया, बल्कि वर्तमान का पथप्रदर्शक बना दिया गया। स्थापना के साथ ही दुर्लभ पांडुलिपियों के संग्रह, संरक्षण, अध्ययन और प्रचार-प्रसार का सतत यज्ञ आरंभ हो गया।

जहाँ दुर्लभ ग्रंथों ने फिर से जीवन पाया

देश के 15 राज्यों के 600 से अधिक स्थलों से संजोए गए 30,000 से अधिक दुर्लभ जैन ग्रंथ तथा 200 से अधिक ताड़पत्र और प्राचीन पांडुलिपियाँ आज श्रुतधाम की अमूल्य निधि हैं। लगभग 1300 वर्ष पुरानी सुभाषित रत्नावली और चार शताब्दी पुराना स्वर्णाक्षरित भक्तामर स्तोत्र

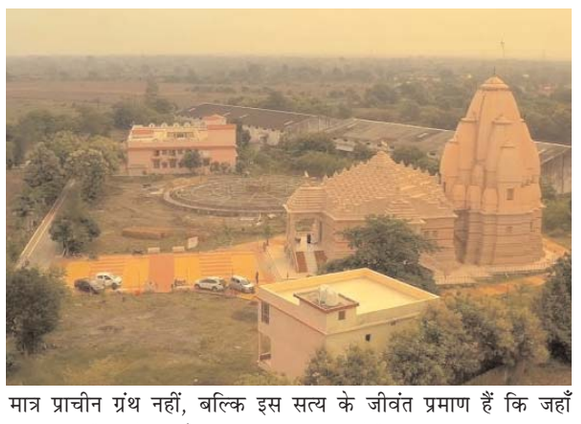

मात्र प्राचीन ग्रंथ नहीं, बल्कि इस सत्य के जीवंत प्रमाण हैं कि जहाँ संकल्प अडिग हो, वहाँ काल भी ज्ञान की ज्योति मंद नहीं कर पाता।

जहाँ ग्रंथ बोलते हैं और पीढ़ियाँ सुनती हैं

श्रुतधाम की पहचान उसके संग्रह से नहीं, उस चेतना से है जो ग्रंथों के ज्ञान को जीवन से जोड़ती है। यहाँ पांडुलिपियाँ केवल सुरक्षित नहीं, समाज की प्रेरणा हैं। ब्रह्मचारी संदीप सरल भैयाजी के मार्गदर्शन में आचार्यों की वाणी अतीत नहीं, वर्तमान का आलोक बनकर प्रवाहित है। यहाँ युवा पीढ़ी को केवल ज्ञान नहीं, विचार, विवेक, चरित्र और आत्मजागरण का संस्कार मिलता है। संस्थान में प्राकृत भाषा, जैन दर्शन और शास्त्र-अध्ययन की नियमित कक्षाएँ संचालित होती हैं। ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यमों से श्रुत-आराधना का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे दूर-दूर के जिज्ञासु श्रावक लाभान्वित हो रहे हैं।

हरित चेतना का आध्यात्मिक विस्तार

श्रुतधाम का विस्तार केवल शास्त्रों तक नहीं, प्रकृति की गोद तक है। सहस्त्रों वृक्षों और चौबीस तीर्थंकरों से संबद्ध पावन वनस्पतियों के माध्यम से यह संदेश साकार होता है कि धर्म केवल उपासना नहीं, जीवन-संस्कृति है। यहाँ पर्यावरण संरक्षण अभियान नहीं, साधना का सहज स्वरूप है। परिसर का विकसित वन क्षेत्र और जैविक खेती के प्रयास इस हरित चेतना को और सुदृढ़ करते हैं।

एक संकल्प जिसने इतिहास बदल दिया

श्रुतधाम किसी भवन की नहीं, एक विश्वास की रचना है। यह उस संकल्प का साकार रूप है जिसने सिद्ध किया कि समाज यदि अपनी ज्ञान-परंपरा का संरक्षण करे, तो खोई विरासत भी पुन: जीवंत हो उठती है। यह स्थल संतों, श्रावकों और समर्पित साधकों के सामूहिक पुरुषार्थ का साक्षी है, जिसने ऐसी चेतना जगाई है जो आज भी पीढ़ियों का पथ आलोकित कर रही है। परिसर में निर्माणाधीन भव्य मुक्ताकाश समवशरण मंदिर उसी दूरदृष्टि का प्रतीक है। 41 हजार वर्गफुट में आकार ले रहा बुंदेलखंड का प्रथम मुक्ताकाश समवशरण मंदिर जैन परंपरा की भव्यता को नई ऊँचाई दे रहा है।

श्रुतधाम : एक स्थान नहीं, एक सतत आंदोलन

मध्यप्रदेश के बीना, सागर में स्थित श्रुतधाम आज केवल तीर्थ नहीं, भारतीय ज्ञान-परंपरा के पुनर्जागरण का जीवंत प्रतीक है। यहाँ अतीत भविष्य का पथ प्रशस्त करता है, इतिहास वर्तमान से संवाद करता है और श्रुत केवल पढ़ा नहीं, जिया जाता है। इसी कारण श्रुतधाम भवन नहीं, एक चेतना है; संस्था नहीं, सतत प्रवाहित सांस्कृतिक अभियान है। जैन श्रुत परंपरा के पुनर्जीवन के साथ यह समूची भारतीय ज्ञान-परंपरा के संरक्षण का भी सशक्त केंद्र बन चुका है।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा होगा। परिवार का साथ मिलेगा। आज आप किसी नयी जगह पर आज घूमने जायेंगे, जिससे जीवन में एक नया पाठ सीखेंगे। किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे, जिससे आपको मानसिक सुकून मिलेगा।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आपकी आय के साधनों में वृद्धि होगी। आज पारिवारिक गतिविधियों में दिन का ज्यादातर समय बीतेगा और पड़ोस में किसी धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने का अवसर मिलेगा। आज आप अपने भाई बहनों के साथ किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपके व्यापार में लाभ के योग हैं। अपनी ऑफिशियल फाइलें और पेपर पूरी तरह कंप्लीट रखें। नौकरी कर रहे लोगों के लिए नए अवसर मिलने की संभावना है। जिन लोगों को पॉलिटिक्स में रूचि है, उन्हें बड़ा पद प्राप्त होने के योग हैं। मान सम्मान में वृद्धि होगी।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी खुशियां लायेगा। बिजनेस के सिलसिले में की गई यात्रा आज लाभदायक रहेगी और नए संपर्क बनेगे। आज पूरी मेहनत से काम को करेंगे जिससे उसका परिणाम आपके पक्ष में आएगा।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। घर और बिजनेस के मध्य उचित तालमेल बनाकर रखने से आप अपनी व्यक्तिगत कार्यों के लिए भी समय निकाल पाएंगे जिससे आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान महसूस करेंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन लाभ दायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपको पैतृक संपत्ति का लाभ मिलेगा। नए लोगों से मेल-जोल बढ़ेगा। जिससे आपके करियर में लाभ होने के योग हैं।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपको अच्छी सफलता मिलने वाली है। व्यवसायिक स्थल की आंतरिक व्यवस्था में आज कुछ बदलाव लाने की जरूरत है। आज किसी तरह के लेन-देन से जुड़े मामलों को लेकर सचेत रहें। जनसंपर्क को और मजबूत बनाने की जरूरत है।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। संतान की प्रगति से जुड़ा शुभ समाचार मिलने से घर में खुशी का माहौल रहेगा। आपको अपनी विशेष योग्यता और काबिलियत के बल पर आज खास उपलब्धि मिलने वाली है। माता पिता के स्वास्थ्य का विशेष रूप से ध्यान देना होगा।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए नई उमंगों से भरा रहने वाला है। आज घर परिवार में सुखद माहौल बना रहने से आपका मन अच्छा रहेगा। नौकरी करने वाले लोगों को अपना टारगेट पूरा करने के लिए ओवरटाइम करना पड़ सकता है। आज पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आपके अन्दर काम करने की क्षमता में इंप्रूवमेंट होगा जिस कारण आप कई दिनों के रुके काम को भी पूरा कर लेंगे। आज किये गए कार्यों का अच्छा परिणाम आने वाले दिनों में देखने को मिल सकता है इसलिए अपने काम को पूरी लगन व मेहनत से करें लाभ अवश्य होगा।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों के प्रमोशन के चांसेस हैं। अच्छे पद पर कहीं ट्रांसफर के भी योग हैं। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे जातक किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करेंगे जिससे कुछ नया सीखने को मिलेगा। आप संपत्ति खरीदने का मन बना सकते है।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए भाग्यशाली रहेगा। कार्यक्षेत्र में आने वाली समस्त समस्याओं का आज समाधान मिलेगा। आज आप जॉब चेंज करने की सोचेंगे। नौकरी में कहीं ट्रांसफर हो सकता है।

पुणे की चीख – हम कचरा नहीं संभाल पाए तो शहर कैसे संभालेंगे?

[पुणे केवल एक हादसा नहीं, शहरी नियोजन की चार्जशीट है]

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

पुणे के मोशी (पिंपरी-चिंचवड़) में 8 जुलाई 2026 को हुआ हादसा केवल एक इमारत का ढहना नहीं, बल्कि हमारे शहरी विकास मॉडल का ध्वंस था। पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिका के वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्र के पास वर्षों से जमा लेगेसी वेस्ट का पहाड़ 600 मिलीमीटर से अधिक वर्षा के बाद खिसका और तीन मंजिला प्रशासनिक भवन को निगल गया। लगभग 23 लोग मलबे में दबे, जिनमें 8 की मौत हो चुकी है, एक व्यक्ति अभी लापता है, कई घायल हुए और कई दिनों तक राहत अभियान चला। इसे प्राकृतिक आपदा कहना आसान है, लेकिन सच यह है कि बारिश ने केवल अंतिम धक्का दिया; दुर्घटना की नींव वर्षों की प्रशासनिक लापरवाही ने रखी थी। यह केवल पुणे की कहानी नहीं। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु सहित लगभग हर बड़ा शहर ऐसे कचरा-पर्वतों के साये में खड़ा है, जो विकास के नहीं, आने वाली त्रासदियों के मौन स्मारक हैं। सबसे बड़ी भूल हमारी सोच में है। हमने कचरे को वैज्ञानिक चुनौती नहीं, आंखों से ओझल कर देने की वस्तु मान लिया। यही मानसिकता लैंडफिल को धीरे-धीरे कचरे के पहाड़ों में बदलती रही। लेगेसी वेस्ट मृत ढेर नहीं, बल्कि भीतर ही भीतर सक्रिय रासायनिक और जैविक प्रक्रियाओं का भंडार है। अवायवीय अपघटन (ऐनएरोबिक डीकम्पोज़िशन) से बनने वाली मीथेन, जहरीला लीचेट और वर्षा का पानी इसकी संरचना को लगातार कमजोर करते हैं। ऊपर से मिट्टी डाल देना, ढलान बना देना या हरियाली उगा देना समाधान नहीं, केवल आवरण है। पुणे में अधिकारियों ने भवन और कचरे के पहाड़ के बीच 30 मीटर की सुरक्षित दूरी का दावा किया, जबकि उपग्रह चित्रों में यह केवल 16-17 मीटर दिखी। यह फासला सिर्फ माप का नहीं, सरकारी दावों और जमीनी सच्चाई के बीच की दूरी का भी प्रमाण है। इस त्रासदी की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जहां हादसा हुआ, वहीं वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्र भी संचालित था। जिस परिसर का उद्देश्य कचरे को ऊर्जा में बदलना था, उसी के पास वर्षों से मौत का पहाड़ खड़ा रहा। वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्र संचालित करने वाली निजी कंपनी के कर्मचारी, जो कचरे को संसाधन बनाने में लगे थे, अंतत: उसी कचरे की भेंट चढ़ गए। इससे बड़ा विरोधाभास क्या होगा? हमारी शहरी नियोजन व्यवस्था वर्षों से एक ही भूल दोहरा रही है—पहले शहर से दूर लैंडफिल बनाए जाते हैं, फिर शहर फैलकर उन्हें अपने बीच ले आता है। आसपास उद्योग, कार्यालय और आवास बस जाते हैं, लेकिन सुरक्षा इंतज़ाम नहीं बदलते। मजबूत रिटेनिंग वॉल, प्रभावी जल निकासी और रियल-टाइम निगरानी के बिना ऐसे कचरा-पर्वत कभी भी मौत का मंजर बन सकते हैं। पुणे ने केवल वही साबित किया है, जिसकी चेतावनी विशेषज्ञ वर्षों से देते रहे हैं। भारत के शहरों की असली चुनौती कचरे की बढ़ती मात्रा नहीं, उसका अव्यवस्थित प्रबंधन है। रोज़ लाखों टन ठोस अपशिष्ट निकलता है, लेकिन स्रोत स्तर पर पृथक्करण आज भी अपवाद है। घरों, बाजारों और संस्थानों का जैविक, प्लास्टिक, धातु सहित पूरा कचरा एक साथ लैंडफिल पहुंचता है, जिससे पुनर्चक्रण की प्रक्रिया लगभग निष्प्रभावी हो जाती है। वर्षों तक सड़ता यही मिश्रित कचरा मीथेन गैस, जहरीला लीचेट, दुर्गंध और विशैला धुआं पैदा करता है। यह केवल पर्यावरण नहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी गंभीर संकट है। जलवायु परिवर्तन से बढ़ती अत्यधिक वर्षा ने इन अस्थिर कचरा-पर्वतों को और घातक बना दिया है। यदि व्यवस्था नहीं बदली, तो पुणे जैसी त्रासदियां अलग-अलग शहरों में बार-बार दोहराई जाएंगी। इस संकट का समाधान सतही सुधारों में नहीं, बुनियादी बदलाव में है। सबसे पहले स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण सख्ती से लागू हो। केवल जागरूकता नहीं, प्रोत्साहन और दंड—दोनों साथ चलें। हर शहर में शून्य-कचरा वार्ड विकसित हों, जहां जैविक कचरे से स्थानीय स्तर पर कंपोस्ट बने और पुनर्चक्रण योग्य सामग्री सीधे उद्योगों तक पहुंचे। वर्षों से जमा लेगेसी वेस्ट का वैज्ञानिक बायोरिमेडिएशन और सुरक्षित कैपिंग राष्ट्रीय प्राथमिकता बने। साथ ही भूमि उपयोग नीति बदले—लैंडफिल के चारों ओर अनिवार्य बफर जोन हों, आवासीय और औद्योगिक निर्माण सुरक्षित दूरी पर रहे तथा उपग्रह, ड्रोन और सेंसर आधारित निगरानी से ढलानों की स्थिरता, मीथेन उत्सर्जन और वर्षा के प्रभाव पर लगातार नजर रखी जाए। तकनीक का उद्देश्य हादसे की जांच नहीं, उसकी पूर्व चेतावनी होना चाहिए।इस संकट का दूसरा नाम जवाबदेही है। सुरक्षा मानकों की अनदेखी, दूरी को लेकर भ्रामक दावे और संभावित खतरों की उपेक्षा के बीच कोई नीति सफल नहीं हो सकती। पुणे ने साबित कर दिया कि कागजी नियम और जमीनी हकीकत में गहरी खाई है। यही तस्वीर अनेक शहरों में दिखती है, जहां क्षमता से अधिक भरे लैंडफिल, खुले में जलता कचरा और विषैला धुआं आम दृश्य हैं। कचरा प्रबंधन को केवल नगर निगम का दायित्व मानने की सोच बदलनी होगी। परिपत्र अर्थव्यवस्था अपनाकर यही कचरा बोझ नहीं, संसाधन बन सकता है—जैविक कचरे से खाद, पुनर्चक्रण से कच्चा माल और वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्रों से स्वच्छ ऊर्जा। इसके लिए जनजागरूकता, निजी भागीदारी और कठोर प्रशासनिक अनुपालन समान रूप से आवश्यक हैं। पुणे की त्रासदी एक कड़वा सच सामने लाती है। पर्यावरणीय संकट की सबसे बड़ी कीमत वही चुकाते हैं, जिनकी निर्णयों में सबसे कम भागीदारी होती है। कचरा प्रबंधन से जुड़े कर्मचारी, लैंडफिल के आसपास रहने वाले परिवार और सीमित संसाधनों पर निर्भर समुदाय सबसे पहले प्रदूषण, बीमारी और मौत के खतरे में आते हैं।

K K

राष्ट्रीय समाचार

मंगलवार 14 जुलाई 2026,नर्मदापुरम (होशांगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

बदरीनाथ मंदिर चढ़ावा घोटाले में बड़ी कार्रवाई, फरार कर्मचारी देहरादून से गिरफ्तार

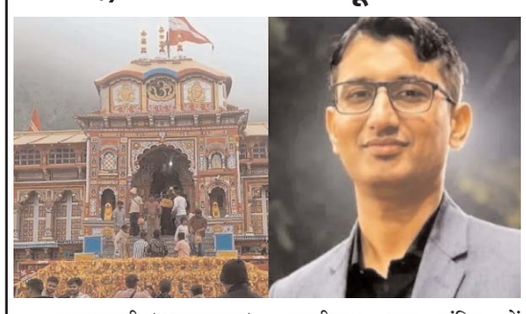

उत्तरकाशी,(आरएनएस)। बदरीनाथ धाम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मामले में फरार चल रहे आरोपी कर्मचारी प्रमोद नौटियाल को पुलिस ने रविवार देर रात देहरादून से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम आरोपी को पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए बदरीनाथ कार्यालय लेकर रवाना हो गई।

पुलिस के अनुसार, मामले में पर्याप्त साक्ष्य जुटाने के बाद आरोपी की लगातार तलाश की जा रही थी। उसकी संभावित लोकेशन पर लगातार दबिश दी गई और आखिरकार रविवार रात करीब 11 बजे उसे देहरादून से गिरफ्तार कर लिया गया।

जानकारी के मुताबिक, बदरीनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे के रखरखाव और जमा प्रक्रिया के दौरान वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू की गई थी। प्रारंभिक जांच में चढ़ावे की राशि में कथित गड़बड़ी के संकेत मिलने पर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपी फरार हो गया था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी से पूछताछ के दौरान पूरे मामले से जुड़े अहम तथ्यों का पता लगाया जाएगा। साथ ही यह भी जांच की जाएगी कि इस कथित हेराफेरी में किसी अन्य व्यक्ति की भी भूमिका रही है या नहीं।जांच एजेंसियां मामले से जुड़े दस्तावेजों, रिकॉर्ड और वित्तीय लेनदेन की भी गहन पड़ताल कर रही हैं। पुलिस का कहना है कि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से की जाएगी तथा दोषी पाए जाने वाले सभी लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में बीच सड़क पर पुलिस कांस्टेबल ने पत्नी की कर दी हत्या, वारदात के बाद आरोपी फरार

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश की राजधानी दिल्ली के पूर्वी इलाके से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां दिल्ली पुलिस के ही एक कांस्टेबल ने बीच सड़क पर अपनी पत्नी की गोली मारकर बेरहमी से हत्या कर दी। इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पुलिसकर्मी मौके से फरार हो गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी और विनोद नगर इलाके के आस-पास की है और पुलिस अब इस सनसनीखेज हत्या के पीछे की वजहों की बारीकी से जांच कर रही है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी कांस्टेबल की पहचान मनीष भाटी के रूप में हुई है। मनीष वर्तमान में वाहन चोरी रोधी दस्ते (AATS) में तैनात है। बताया जा रहा है कि सोमवार तड़के मनीष अपनी पत्नी के साथ स्कूटर पर पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके से गुजर रहा था। सफर के दौरान ही किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच तीखी बहस शुरू हो गई, जिसने थोड़ी ही देर में एक हिंसक रूप ले लिया। चश्मदीदों ने बताया कि बहस बढ़ने पर मनीष ने गुस्से में अपना स्कूटर रोक दिया। सड़क किनारे रुकने के बाद भी दोनों के बीच काफी देर तक बकझक और विवाद चलता रहा। इसी दौरान अचानक कांस्टेबल मनीष भाटी ने अपनी पत्नी पर गोली चला दी। पत्नी को खून से लथपथ हालत में बीच सड़क पर ही छोड़कर आरोपी वहां से भाग निकला। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और फरार आरोपी कांस्टेबल की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

यमुना में नहाना पड़ा भारीः एक ही स्कूल के चार छात्र तेज बहाव में बहे, पांचवां दोस्त बना हादसे का चश्मदीद

नई दिल्ली (आरएनएस)।राजधानी दिल्ली के आउटर नॉर्थ जिले के अलीपुर थाना क्षेत्र स्थित हिरणकी गांव में रविवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। यमुना नदी में नहाने उतरे एक ही स्कूल और एक ही कक्षा में पढ़ने वाले चार किशोर तेज बहाव में बह गए, जबकि उनका पांचवां साथी किनारे पर खड़ा रह गया। घटना के बाद से पुलिस, डीडीएमए और दमकल विभाग की टीमें लगातार बच्चों की तलाश में जुटी हैं, लेकिन खबर लिखे जाने तक किसी का पता नहीं चल सका था। जानकारी के अनुसार, रविवार शाम करीब चार बजे पांच दोस्त हिरणकी गांव स्थित यमुना नदी के 24 नंबर ठोकर के पास पहुंचे थे। कीचड़ में कपड़े गंदे होने के बाद चार बच्चों ने नदी में नहाने का फैसला किया, जबकि पांचवां दोस्त लकी किनारे पर ही बैठा रहा।नदी में उतरते ही अंशु, सौरभ, राहुल और अमनदीप तेज बहाव की चपेट में आ गए। देखते ही देखते चारों गहरे पानी में बहने लगे। यह मंजर देखकर लकी ने शोर मचाकर आसपास के लोगों से मदद की गुहार लगाई, लेकिन जब तक लोग मौके पर पहुंचे, चारों बच्चे नदी की तेज धारा में बह चुके थे।

वोटर लिस्ट में शामिल होने आवेदकों को माता-पिता की एसआईआर की डिटेल देना जरुरी

वोटर लिस्ट में शामिल होने आवेदकों को माता-पिता की एसआईआर की डिटेल देना जरुरी

नई दिल्ली,(ए.)। चुनाव आयोग ने ऑनलाइन वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए एक नया नियम लागू किया है, जिसके तहत वोटर लिस्ट में शामिल होने के लिए नए आवेदकों को पिछली स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान अपने माता-पिता की स्थिति के बारे में जानकारी देनी होगी। अधिकारियों ने बताया कि ये शर्त फॉर्म 6 में जोड़ी गई है। ये वह फॉर्म है जिसका इस्तेमाल पहली बार वोट देने वाले लोग करते हैं जिनके नाम सूची से हटा दिए गए थे और जो दोबारा अपना नाम जुड़वाना चाहते हैं। हालांकि, गैजेट नोटिफिकेशन के जरिए फॉर्म में औपचारिक रूप से कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन चुनाव आयोग के अधिकारियों का कहना है कि यह घोषणा प्रशासनिक निर्देशों के जरिए लागू की गई है और ऑनलाइन सबमिशन के लिए जरूरी कर दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक आवेदक तब तक ऑनलाइन फॉर्म 6 नहीं भर सकते, जब तक वे घोषणा वाला हिस्सा पूरा न कर लें। इस हिस्से में यह जानकारी मांगी जाती है कि क्या आवेदक या उनके माता-पिता का नाम पिछली एसआईआर प्रक्रिया के दौरान तैयार की गई मतदाता सूची में शामिल था या नहीं। ईसीआईएनईटी पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन फॉर्म 6 के भाग जे और के के बीच नई घोषणा में आवेदकों से तीन में से एक विकल्प चुनने के लिए कहा गया है कि क्या उनका अपना नाम पिछली एसआईआर वोटर सूची में था, क्या उनके माता-पिता या दादा-

दादी/नाना-नानी का नाम पिछली एसआईआर सूची में था, या फिर आवेदक और उनके माता-पिता में से किसी का भी नाम पिछली मतदाता सूची में नहीं था।अधिकारियों ने बताया कि यह घोषणा पिछले साल जून में शुरू हुई और बिहार एसआईआर प्रक्रिया के दौरान लागू की गई थी। तब से जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया हुई है, वहां इसे वोटर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रियाओं में शामिल कर लिया गया है। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि बिहार के रोजाना के एसआईआर बुलेटिन में घोषणाओं के साथ भरे हुए फ़ॉर्म दिखाए गए थे। उन्होंने कहा कि इससे वोटरों की पहचान करने में मदद मिलती है और नए वोटरों को आवेदन के साथ जमा करने वाले जरूरी दस्तावेजों की संख्या भी कम हो जाती है।

इस अभियान का मकसद योग्य मतदाताओं की पहचान करना और मतदाता सूची से डुप्लीकेट, मृत, दूसरी जगह चले गए और विदेशी मतदाताओं के नाम हटाना है। पश्चिम बंगाल, बिहार, केरल और तमिलनाडु समेत कई राज्यों में एसआईआर अभियान पूरा हो चुका है और अन्य राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में ये अभी चल रहा है।

सरकार ने 19 जुलाई को बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली,(ए)। संसद के आगामी मानसून सत्र से पहले सरकार और विपक्ष ने अपनी-अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। केंद्र सरकार ने सत्र शुरू होने से एक दिन पहले 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है, जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ सत्र के सुचारु संचालन और विधायी कार्यों पर चर्चा की जाएगी। दूसरी ओर, विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया ने भी सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की रणनीति तैयार कर ली है।सूत्रों के अनुसार, सर्वदलीय बैठक में केंद्र सरकार मानसून सत्र के दौरान प्रस्तुत किए जाने वाले विधायी एजेंडे की रूपरेखा साझा कर सकती है। वहीं विपक्ष अपने प्रमुख राजनीतिक और जनहित से जुड़े मुद्दों को बैठक में उठाने की तैयारी कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह ने कहा है, कि इंडिया गठबंधन संसद में राम मंदिर चढ़ावा मामले, नीट परीक्षा से जुड़े कथित अनियमितताओं के मुद्दे और अन्य मामलों पर केंद्र सरकार से जवाब मांगेगा।

दिल्ली में 70 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य, सीएम रेखा गुप्ता ने मॉडल टाउन में किया पौधरोपण

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को शहर में बड़े पैमाने पर चल रहे पौधरोपण अभियान के तहत मॉडल टाउन इलाके में एक पौधा लगाकर 70 लाख पौधे लगाने के महत्वाकांक्षी अभियान में हिस्सा लिया। इस अभियान का मकसद राष्ट्रीय राजधानी में हरियाली का दायरा बढ़ाना है।

दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे इस पौधरोपण अभियान का मकसद लोगों की सक्रिय भागीदारी से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। इस अभियान की शुरुआत केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 7 जुलाई को की थी और इसमें सरकारी विभागों, नागरिक संस्थाओं, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और आम नागरिकों ने हिस्सा लिया है।

पौधा लगाने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार 'मास प्लांटेशन ड्राइव' के तहत पूरे शहर में पौधरोपण कार्यक्रम चला रही है और लोगों

को इस पहल में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।उन्होंने कहा, मास प्लांटेशन ड्राइव के तहत दिल्ली भर में लगातार पौधरोपण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 7 जुलाई को इस अभियान की शुरुआत की थी। दिल्ली सरकार ने एक खास पोर्टल के जरिए लोगों से भागीदारी की अपील की, जहां लोग पौधारोपण अभियान में हिस्सा लेने के लिए समय चुन सकते थे। इसके बाद नागरिक तय जगहों पर गए और पौधे लगाने में सक्रिय रूप से शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल का मकसद नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण में सीधे योगदान करने का मौका देकर पौधारोपण को एक जन आंदोलन बनाना है।

सरकार ने लोगों को ऑनलाइन पोर्टल के जरिए रजिस्टर करने और शहरभर में तय जगहों पर पौधरोपण गतिविधियों के लिए अपनी सुविधा के अनुसार समय चुनने की सुविधा देकर लोगों की भागीदारी को आसान बनाया है। 70 लाख पौधे लगाने का यह अभियान दिल्ली की हवा की गुणवत्ता सुधारने, हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण की स्थिरता को बढ़ावा देने की व्यापक कोशिशों का हिस्सा है। अधिकारियों ने बताया कि अलग-अलग सरकारी संस्थाओं और वॉलंटियर्स की मदद से पार्कों, संस्थानों के कैंपस, सड़क किनारे बनी ग्रीन बेल्ट और दूसरी चिन्हित जगहों पर पौधे लगाए जा रहे हैं।

पवन कल्याण के चार महीने में पूरी तरह ठीक होने की उम्मीद, सीएम नायडू ने अस्पताल पहुंचकर जाना हालचाल

मुंबई, (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और जन सेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण के दाहिने कंधे की मुंबई के एक अस्पताल में सफल सर्जरी की गई। ऑपरेशन के बाद उनकी स्वास्थ्य स्थिति स्थिर बताई जा रही है और डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों ने उम्मीद जताई है कि निर्धारित पुनर्वास प्रक्रिया पूरी करने के बाद अगले चार महीनों में उनके कंधे की कार्यक्षमता सामान्य हो जाएगी। जन सेना पार्टी की ओर से जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, पवन कल्याण के दाहिने कंधे में रोटेटर कफ की गंभीर चोट पाई गई थी। जांच में सुप्रास्पिनेटस और इन्फ्रास्पिनेटस टेंडन में गंभीर टियर और ग्रेटर ट्यूबरोसिटी हड्डी में एवल्शन फ्रैक्चर की स्थिति सामने आई थी। इसके बाद 11 जुलाई 2026 को मुंबई स्थित कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में उनकी आर्थोस्कोपिक सर्जरी की गई। यह सर्जरी अस्पताल के आर्थोस्कोपिक और शोल्डर सर्विस के निदेशक डॉ. दिनशॉ पारदीवाला ने की।

भारत में कतर के पूर्व अमीर खलीफा अल थानी के निधन पर शोक, नई दिल्ली, केरल और मुंबई में आधा झुका तिरंगा

मुंबई ,(आरएनएस)। महाराष्ट्र ने सोमवार को देश के अन्य राज्यों के साथ कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी के निधन पर एक दिन का राजकीय शोक मनाया। शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी का रविवार को निधन हो गया था, जिसके बाद भारत सरकार ने सोमवार को एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की।

महाराष्ट्र, केरल और नई दिल्ली से सामने आई तस्वीरों में कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी के निधन पर राष्ट्रपति भवन सहित विभिन्न सरकारी भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका हुआ दिखाई दिया।

नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहा। वहीं, मुंबई स्थित मंत्रालय तथा केरल के सरकारी भवनों पर भी तिरंगा आधा झुकाकर श्रद्धांजलि दी गई। केरल के लिए यह शोक विशेष महत्व रखता है, क्योंकि राज्य का बड़ा प्रवासी समुदाय खाड़ी देशों से जुड़ा है और वहां के साथ उसके घनिष्ठ आर्थिक एवं जन-से-जन संबंध हैं। सरकार के निर्देशों के अनुरूप केरल सरकार ने सभी जिला कलेक्टरों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि जिन सरकारी भवनों और संस्थानों पर नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है, वहां इसे आधा झुकाया जाए।जिला कलेक्टरों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र के सभी सरकारी कार्यालयों को राष्ट्रीय शोक की जानकारी देने तथा भारतीय ध्वज संहिता के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा, भारत सरकार ने कतर के फादर अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी के सम्मान में 13 जुलाई को एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है।

23 साल की कानूनी लड़ाई के बाद पिता को मिला इंसाफ, बेटी की मौत के मामले में हाईकोर्ट ने 37 लाख रुपये मुआवजा देने का दिया आदेश

मुंबई ,(आरएनएस)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 23 वर्षों तक न्याय के लिए संघर्ष कर रहे एक पिता के पक्ष में अहम फैसला सुनाते हुए बीमा कंपनी को 37 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है। अदालत ने माना कि 12 वर्षीय बेटी को सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद 16 वर्षों तक कोमा में देखना और उसकी देखभाल करना किसी भी माता-पिता के लिए असहनीय पीड़ा है, जिसकी भरपाई धन से नहीं की जा सकती।

साल 2003 में हुआ था दर्दनाक हादसा

मामला महाराष्ट्र के नासिक का है। वर्ष 2003 में 12 वर्षीय बच्ची ट्यूशन से साइकिल पर घर लौट रही थी, तभी एक तेज रफ्तार वैन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई और कोमा में चली गई। इसके बाद वह करीब 16 वर्षों तक कोमा में रही। वर्ष 2019 में उसकी मृत्यु हो गई।

बेटी की सेवा में बीत गए 16 साल

इस दौरान बच्ची के पिता ने उसकी देखभाल में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। इलाज, दवाइयों, अस्पतालों के चक्कर और घर पर विशेष देखभाल के कारण परिवार पर भारी आर्थिक बोझ पड़ा। इसी बीच बच्ची की मां का भी निधन हो गया, जिसके बाद बेटी की देखभाल और परिवार की जिम्मेदारी अकेले पिता के कंधों पर आ गई।

50 हजार से बढ़ाकर 37 लाख रुपये किया मुआवजा

हादसे के बाद पिता ने मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल (एमएसीटी) में चार लाख रुपये मुआवजे की मांग की थी, लेकिन ट्रिब्यूनल ने केवल 50 हजार रुपये का मुआवजा मंजूर किया। इस फैसले को चुनौती देते हुए पिता ने बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया।

मामले की सुनवाई के दौरान पिता के वकील ने अदालत को बताया कि बच्ची की देखभाल पर प्रतिदिन लगभग 1,500 रुपये खर्च होते थे। इलाज, दवाइयों, मुंबई के अस्पतालों में चिकित्सा और पिता की नौकरी पर पड़े असर को देखते हुए उचित मुआवजा देने की मांग की गई।

हाईकोर्ट ने कहा— बेटी को खोने का दर्द अमूल्य

बीमा कंपनी न्यू इंडिया एश्योरेंस ने दावा किया कि मांगी गई राशि अत्यधिक है, लेकिन न्यायमूर्ति जितेंद्र जैन ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यह घटना बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है तथा 12 वर्षीय इकलौती बेटी को खोने का दर्द किसी भी कीमत में नहीं आंका जा सकता।

हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि 16 वर्षों तक कोमा में बेटी की हालत देखना माता-पिता के लिए असहनीय मानसिक और भावनात्मक पीड़ा का विषय रहा होगा। अदालत ने ट्रिब्यूनल द्वारा दिए गए 50 हजार रुपये के मुआवजे को अपर्याप्त बताते हुए उसे बढ़ाकर कुल 37 लाख रुपये करने का आदेश दिया।

पीयूष गोयल स्पेन, बेल्जियम और फिनलैंड का करेंगे दौरा; भारत-ईयू के बीच संबंध होंगे मजबूत

नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के स्पेन,बेल्जियम और फिनलैंड के आधिकारिक दौरे की शुरुआत सोमवार से हो रही है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। आधिकारिक बयान में कहा गया कि गोयल की 13 से 17 जुलाई तक स्पेन, बेल्जियम और फिनलैंड की यात्रा, पूरे यूरोप में आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के भारत के संकल्प को दिखाती है। इसमें व्यापार, निवेश, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी पर खास फोकस किया जाएगा।

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, स्पेन, बेल्जियम और फिनलैंड की इस यात्रा में एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, क्लीन एनर्जी और सस्टेनेबिलिटी, डिजिटल और नई टेक्नोलॉजी, रत्न और आभूषण, और खाद्य व उपभोक्ता उद्योगों जैसे अहम विषयों पर ध्यान दिया जाएगा।

गोयल की यह यात्रा यूरोपीय संघ के साथ भारत के मजबूत होते रिश्तों और एक ऐसे महत्वाकांक्षी, संतुलित और आपसी फायदे वाले समझौते को आगे बढ़ाने की भारत की पक्की प्रतिबद्धता को दिखाती है, जो मजबूत सप्लाई चेन, टिकाऊ विकास और नियमों पर आधारित ग्लोबल ट्रेडिंग सिस्टम में योगदान दे सके।आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस यात्रा से यूरोप के साथ भारत के रिश्तों को नई गति मिलने की उम्मीद है। इससे व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा, नई टेक्नोलॉजी, क्लीन एनर्जी, इनोवेशन और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग में सहयोग मजबूत होगा, व्यवसायों और इनोवेशन इकोसिस्टम के बीच करीबी साझेदारी बढ़ेगी, और इनोवेशन, मैन्युफैक्चरिंग व सस्टेनेबिलिटी के लिए एक भरोसेमंद ग्लोबल पार्टनर के तौर पर भारत की स्थिति और मजबूत होगी।

जम्मू-कश्मीर से मणिपुर तक हिली धरती, लोगों में दहशत

नई दिल्ली,(ए.)। देश के विभिन्न हिस्सों में बीते 24 घंटों के दौरान भूकंप के हल्के से मध्यम झटके महसूस किए गए। जम्मू-कश्मीर के बारामूला, मणिपुर के कामजोंग जिले तथा आंध्र प्रदेश के तटवर्ती क्षेत्र में आए भूकंपों के कारण लोगों में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल रहा। हालांकि राहत की बात यह रही कि तीनों स्थानों से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में रविवार देर रात करीब दो बजे रिक्टर पैमाने पर 3.6 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था। रात के समय आए झटकों से कई लोग घरों से बाहर निकल आए। प्रशासन ने स्थिति पर नजर बनाए रखी, लेकिन किसी भी प्रकार की क्षति की पुष्टि नहीं हुई। बारामूला भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है।

ओडिशा में भीषण सड़क हादसाः ट्रक की टक्कर से पिता और दो मासूम बेटों की मौत, पत्नी-बेटा गंभीर

भुवनेश्वर,(आरएनएस)। ओडिशा के नवरंगपुर जिले में हुए एक भीषण सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। रायघर ब्लॉक के देवभरांडी के पास राज्य राजमार्ग-40 पर ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति और उसके दो मासूम बेटों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और एक अन्य पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए।

मृतकों की पहचान बाबूलाल गोंड और उनके दो बेटों प्रदीप (6 वर्ष) तथा तुषार (3 वर्ष) के रूप में हुई है। हादसे में बाबूलाल की पत्नी और उनका 10 वर्षीय पुत्र गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है।

टक्कर के बाद ट्रक के नीचे फंसी बाइक

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पांच सदस्यीय परिवार एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहा था। इसी दौरान रायघर से कुंदेई की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने कथित रूप से बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल ट्रक के नीचे फंस गई और कुछ दूरी तक घिसटती चली गई। हादसे में बाबूलाल और उनके दो छोटे बेटों की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को पहले हाटभरांडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें उमरकोट उप-मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया गया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं जांच कार्य शुरू किया। ट्रक चालक को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया है, जबकि दुर्घटनाग्रस्त मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अमेरिकी हमलों के बाद ईरान ने बढ़ाई खाड़ी देशों में हलचल, जॉर्डन ने कई ड्रोन किए नष्ट; बहरीन में बजा सायरन

कुवैत सिटी (ए.)। ईरान-अमेरिका के बीच ताजा हमलों ने खाड़ी देशों की चिंता फिर से बढ़ा दी है। कुवैत ने सोमवार को कहा कि उसकी सेना एयरस्पेस में ईरानी हवाई हमलों का सामना कर रही है। वहीं, बहरीन की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार, देश में सायरन बजा दिया गया है और लोगों से सबसे पास की सुरक्षित जगहों पर जाने की अपील की गई है। जॉर्डन ने भी कई ड्रोन को हवा में नष्ट करने का दावा किया।ईरान ने कहा कि वह उसके क्षेत्र पर अमेरिकी हमलों के जवाब में पूरे क्षेत्र में हमले शुरू कर रहा है। इस बीच अमेरिकी सहयोगियों बहरीन, कुवैत और जॉर्डन सभी ने स्थानीय समयानुसार सोमवार सुबह हवाई हमलों को लेकर जवाबी कार्रवाई की सूचना दी।जॉर्डन की सेना ने ईरान की चार मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया। तीनों देशों ने रविवार को भी हवाई हमलों की सूचना दी थी।ईरान की अर्ध-सरकारी फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, बहरीन में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उसकी एयर फोर्स ने ईसा एयर बेस पर हमला किया।कुवैत की सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा बयान में लोगों से जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की

और लिखा, सुरक्षा बल अभी कुवैती एयरस्पेस में दुश्मन के हवाई टारगेट का सामना कर रहे हैं। आर्मी के जनरल स्टाफ ने बताया है कि अगर कोई धमाके की आवाज सुनाई देती है, तो वह एयर डिफेंस सिस्टम द्वारा दुश्मन के हमलों को रोकने का नतीजा है। सभी से अनुरोध है कि वे जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

बहरीन के गृह मंत्रालय ने लोगों से शांत रहने और सबसे पास की सुरक्षित जगह पर जाने की अपील की है। बहरीन के गृह मंत्रालय ने कहा, सायरन बज गया है। नागरिकों और निवासियों से शांत रहने और सबसे पास की सुरक्षित जगह पर जाने की अपील की जाती है।

आईआरजीसी ने कहा कि उसने दो जहाजों को रोका, क्योंकि उन्होंने अपने ट्रैकिंग सिस्टम बंद कर दिए थे और होर्मुज स्ट्रेट से बिना इजाजत के रूट ले लिया था। इन दो जहाजों को रोकने के बाद हुए अमेरिकी हमलों के जवाब में मिसाइलों और ड्रोन का इस्तेमाल करके जॉर्डन में प्रिंस हसन एयर बेस को निशाना बनाया गया।

जवाबी कार्रवाई के दूसरे फेज में बहरीन में ईसा एयरबेस पर अमेरिकी हेलीकॉप्टर मेंटेनेंस और रिपेयर फैसिलिटी, पी-8 इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर एयरक्राफ्ट वाले हैंगर, और अमेरिकी सेना के ड्रोन ऑपरेशन के कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर पर हमला किया।इसके अलावा, आईआरजीसी ने बताया कि जवाबी कार्रवाई के तीसरे और चौथे चरण में कुवैत में अमेरिकी सैन्य बेस को निशाना बनाया गया। आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स ने कुवैत के अली अल सलेम में अमेरिकी बेस पर फ्यूल स्टोरेज टैंक, एक पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम और अहमद अल जाबेर एयर बेस पर एक एफपीएस स्ट्रेटेजिक रडार सिस्टम को पूरी तरह से नष्ट कर दिया।

बैंकाक के एक बार में लगी भीषण आग, 27 की मौत

बैंकॉक,(ए.) । थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में सोमवार तड़के एक बार में भीषण आग लग गई, जिसकी चपेट में आकर 27 लोगों की जान गई है। हादसा राजधानी के चाटुचक जिले में स्थित ना लाडप्राओ बार में हुआ है। हादसे में करीब 8 लोग घायल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग बार के स्टेज के पास से शुरू हुई और तेजी से फैल गई, जिससे बिजली गुल हो गई और पूरा कमरा धुएं से भर गया था।घटना के बाद दमकल कर्मियों को सूचना दी गई, जिनके पहुंचने पर लोग चीखते-चिल्लाते बार से भागते दिख रहे थे।बैंकॉक के गवर्नर चाडचार्ट सिट्टीपंट ने बताया कि 63 लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से 22 की हालत गंभीर है।अधिकारी पीड़ितों की पहचान करने में जुटे हैं क्योंकि कई लोगों के पास पहचान पत्र नहीं था या वे बेहोश थे। मृतकों में कई पर्यटक भी शामिल हैं।दमकलकर्मियों को आग बुझाने में करीब आधा घंटा लगा।थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने घटनास्थल पर पत्रकारों को बताया कि 27 मौत हुई है और हादसे के कारणों की जांच के आदेश दिए गए हैं।अनुतिन ने बताया कि बार में प्रस्तुति दे रहे एक संगीतकार ने उन्हें बताया कि बिजली जाने से पहले उसने मंच के पास एक सर्किट ब्रेकर से धुआं निकलते देखा, फिर विस्फोट हुआ और घना धुआं तेजी से पूरे स्थान में फैल गया।

परमाणु कार्यक्रम नहीं छोड़ा तो ईरान पर प्रतिबंध जारी रहेगा : फ्रांस

पेरिस/तेहरान (ए.)। फ्रांस ने स्पष्ट किया है कि जब तक ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह छोड़ने की घोषणा नहीं करता, तब तक उस पर लगे प्रतिबंधों में कोई राहत नहीं दी जाएगी।सोमवार को फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बारो ने फ्रांसीसी मीडिया से

बातचीत में कहा कि ईरान द्वारा अपने परमाणु कार्यक्रम का त्याग किए बिना उस पर लगे प्रतिबंध हटाने का कोई सवाल ही नहीं उठता।पिछले महीने भी बारो ने कहा था कि फ्रांस ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों पर होने वाली वार्ताओं में सक्रिय भूमिका निभाना चाहता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते की शर्तों से संतुष्ट हुए बिना पेरिस संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध हटाने का समर्थन नहीं करेगा।फ्रांस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है और उसके पास वीटो का अधिकार भी है। उधर, तेहरान में ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने मीडिया से कहा कि ईरान ने हर वार्ता में गंभीरता और पूरी जिम्मेदारी के साथ हिस्सा लिया है तथा हमेशा देश के हितों और जनता की चिंताओं को प्राथमिकता दी है।उन्होंने कहा, जब भी कोई समझौता हुआ, ईरान ने सद्भावना के साथ अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा किया। इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने कभी भी सबसे पहले अपने वादों का उल्लंघन नहीं किया। बाघेई ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका युद्ध समाप्त करने संबंधी अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन नहीं करता, तो ईरान भी अमेरिका के साथ हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) का पालन नहीं करेगा।

पाकिस्तान जैसी सेना का मुकाबला करना हो तो अफगानिस्तान को बदलनी होगी अपनी सैन्य रणनीति, चाहिए ये आधुनिक हथियार और तकनीक

काबुल (ए.)। 21वीं सदी के युद्ध अब केवल सैनिकों की संख्या या पारंपरिक हथियारों से नहीं जीते जाते। आधुनिक संघर्षों में जीत उसी देश की होती है, जिसके पास दुश्मन को समय रहते पहचानने, दूर से हमला करने और अपने सैन्य ठिकानों की सुरक्षा करने की बेहतर क्षमता होती है।यदि कभी अफगानिस्तान को पाकिस्तान जैसी तकनीकी रूप से आधुनिक सेना का पारंपरिक मुकाबला करना पड़े, तो उसे अपनी मौजूदा सैन्य संरचना में बड़े बदलाव करने होंगे। पाकिस्तान के पास आधुनिक लड़ाकू विमान, लंबी दूरी की रॉकेट आर्टिलरी, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें, ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता और बहु-स्तरीय एयर डिफेंस नेटवर्क मौजूद है। वहीं अफगानिस्तान के पास फिलहाल वायुसेना, लंबी दूरी की मारक क्षमता और संगठित वायु रक्षा प्रणाली बेहद सीमित है। विशेषज्ञों के अनुसार, केवल सैनिकों की संख्या बढ़ाने से अफगानिस्तान की स्थिति मजबूत नहीं होगी। उसे ऐसी आधुनिक हथियार प्रणालियों और तकनीकों की जरूरत होगी, जो किसी तकनीकी रूप से मजबूत प्रतिद्वंद्वी को चुनौती दे सकें।आधुनिक युद्धों में लंबी दूरी की रॉकेट आर्टिलरी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। HIMARS, PHL-16 और अन्य आधुनिक सिस्टम सैकड़ों किलोमीटर दूर तक सटीक हमला करने की क्षमता रखते हैं। यदि अफगानिस्तान के पास ऐसी क्षमता हो, तो वह दुश्मन के एयरबेस, ईंधन भंडार, कमांड सेंटर, गोला-बारूद डिपो और सैन्य जमावड़ों को निशाना बना सकता है। यूक्रेन युद्ध ने भी दिखाया है कि लंबी दूरी की सटीक मारक क्षमता किसी भी सेना की रणनीति को प्रभावित कर सकती है। लंबी दूरी की मिसाइलों के साथ आधुनिक मोबाइल आर्टिलरी भी बेहद जरूरी मानी जाती है। ATAGS, K9 Thunder, CAESAR और Archer जैसे सिस्टम तेजी से स्थान बदल सकते हैं और दुश्मन की जवाबी कार्रवाई से बचते हुए लगातार हमला कर सकते हैं। इसे "Shoot and Scoot" रणनीति कहा जाता है। पहाड़ी इलाकों वाले अफगानिस्तान के लिए ऐसी मोबाइल आर्टिलरी काफी उपयोगी साबित हो सकती है।आधुनिक युद्ध में वायु श्रेष्ठता हासिल करना निर्णायक होता है। यदि किसी देश की एयर डिफेंस कमजोर है, तो उसके सैन्य ठिकाने, टैंक और सैनिक आसानी से निशाना बन सकते हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं के बाद अब कट्टरपंथियों का सूफी दरगाह, उर्स और संगीत पर हमला

ढाका,(ए.) । बांग्लादेश में कट्टरपंथी समूह के निशाने पर हिंदुओं के बाद अब सूफी हैं। यह पुष्टि ढाका स्थित इस्लामिक सूफी संगठन मकान- सेंटर फॉर सूफी हेरिटेज की एक रिपोर्ट में हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस रिपोर्ट को मानें तो इस वर्ष 1 जनवरी से 30 जून के बीच बांग्लादेश भर में 6 मजारों को निशाना बनाया गया है। इसमें अप्रैल में कुश्तिया की पीर अब्दुर रहमान की मजार पर 300 लोगों की भीड़ का हमला और आगजनी शामिल है।

इससे एक महीने पहले, मार्च में 100 लोगों ने सिलहट में हजरत इब्राहिम शाह के मजार पर उर्स उत्सव के लिए इकट्ठा श्रद्धालुओं पर हमला किया। रिपोर्ट के मुताबिक, हमला करने वालों का विरोध उर्स में बजाए जा रहे संगीत से था। ढाका के मीरपुर में स्थित शाह अली बगदादी मजार, कुश्तिया की हजरत शाह दरगाह शरीफ, बरिशाल की हबीब शाह दरबार शरीफ और छतग्राम की हजरत लाल मिया शाह मजार को भी निशाने पर लिया गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रवृत्ति 2026 में शुरू नहीं हुई। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के समय 97 मजारों को निशाना बनाया गया, जिसमें 3 लोग मारे गए और 468 लोग घायल हुए थे। उनके कार्यकाल में राजबारी स्थित नूरल पगला मजार पर हमलावरों ने पीर के शव को कब्र से निकालकर जला दिया था, लेकिन दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। हालांकि, प्रधानमंत्री तारिक रहमान के सत्ता संभालने पर भी हमले कम नहीं हुए हैं।

फीचर

लोग बिना सोचे-समझे क्यों कर लेते हैं खरीदारी? जानिए इसके पीछे के कुछ कारण

बिना सोचे-समझे सामान खरीदना एक आम समस्या है, जिससे कई लोग जूझ रहे हैं। यह आदत न केवल हमारे बजट को प्रभावित करती है, बल्कि हमें आर्थिक तनाव भी दे सकती है। इस लेख में हम जानेंगे कि ऐसी खरीदारी क्यों होती है और इसे कैसे नियंत्रित किया जा सकता है। हम अलग-अलग मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर चर्चा करेंगे, जो इस व्यवहार को समझने में मदद करेंगे और इससे निपटने के तरीके भी जानेंगे।

भावनाओं का प्रभाव

बिना सोचे-समझे खरीदारी अक्सर हमारी भावनाओं से जुड़ी होती है। जब हम उदास, तनाव में या बोर हो रहे होते हैं तो हमें कुछ नया खरीदने का मन करता है। यह एक तुरंत मिलने वाली खुशी दे सकता है, लेकिन बाद में पछतावा हो सकता है। इस आदत को नियंत्रित करने के लिए अपनी भावनाओं को पहचानें और समझें कि कब आप ऐसी खरीदारी करने जा रहे हैं। इसके बाद खुद से पूछें कि क्या य ख खरीदारी वाकई जरूरी है।

विज्ञापनों का जाल

विज्ञापन हमारे मन पर गहरा असर डालते हैं। टीवी, सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आने वाले विज्ञापनों में अक्सर ऐसी चीजें दिखाई जाती हैं, जो हमारी जरूरत से ज्यादा होती हैं। इन विज्ञापनों को देखकर हमें लगता है कि हमें भी वही चीजें चाहिए। इससे बचने के लिए विज्ञापनों से दूरी बनाएं और केवल वही चीजें खरीदें, जो आपकी जरूरत हों। इसके अलावा विज्ञापनों पर ध्यान न दें और अपने बजट के अनुसार ही खरीदारी करें।

सुविधाजनक खरीदारी का लालच

आजकल ऑनलाइन खरीदारी बहुत आसान हो गई है। घर बैठे-बैठे आप कई चीजें मंगवा सकते हैं और वह भी बिना किसी मेहनत के। इस सुविधा का लालच हमें अक्सर बिना सोचे-समझे चीजें खरीदने पर मजबूर कर देता है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपने लिए एक बजट तय करें और उसी अनुसार खरीदारी करें। इसके अलावा ऑनलाइन खरीदारी ऐप की सूचनाओं को अनसुना करें और केवल वही चीजें खरीदें, जो आपकी जरूरत हों।

छूट का मोह

छूट अक्सर हमें यह एहसास दिलाती है कि हम पैसे बचा रहे हैं, जबकि असल में हम ज्यादा खर्च कर रहे होते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आपको कोई ऐसी चीज मिली, जिसपर 50 प्रतिशत छूट थी और आपने उसे खरीद लिया तो हो सकता है कि वह चीज आपकी जरूरत की न हो। हालांकि, आपने उसे सिर्फ छूट देखकर खरीद लिया। इससे आपका बजट बिगड़ सकता है और आपको बाद में पछतावा हो सकता है।

योजना बनाकर खरीदारी करें

बिना सोचे-समझे खरीदारी से बचने के लिए सबसे जरूरी कदम है योजना बनाकर खरीदारी करना। बाजार जाने या ऑनलाइन खरीदारी करने से पहले एक सूची बनाएं, जिसमें उन सभी चीजों का जिक्र हो, जिनकी आपको सचमुच जरूरत है। इस तरह आप अनावश्यक खर्चों से बच सकते हैं और अपने बजट को संतुलित रख सकते हैं। इसके अलावा सूचीबद्ध चीजों के अनुसार ही खरीदारी करें, ताकि आप बिना सोचे-समझे सामान खरीदने से बच सकें।

बचपन का अनुशासन बॉलीवुड में काम आया, संजना सांघी ने सुनाई संघर्ष की कहानी

अभिनेत्री संजना सांघी अपनी अपकमिंग फिल्म हिटमैन को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपनी जिंदगी के सफर का जिक्र करते हुए मुश्किलों का सामना करने की हिम्मत, अनुशासन और अनिश्चितताओं को अपनाने के बारे में बात की। रॉकस्टार, दिल बेचारा और कड़क सिंह जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं इस अभिनेत्री ने उन अनुभवों के बारे में बताया।

शुरुआत को याद करते हुए संजना ने बताया कि एक्टिंग उनकी जिंदगी में अचानक आई। उन्होंने कहा, जब मैं स्कूल में डांस सीख रही थी, तो मैं सिर्फ इसलिए डांस करती थी क्योंकि मुझे यह पसंद था। मैं एनुअल फंक्शन में परफॉर्म करती थी। मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं एक्टिंग करूंगी। जब मैं सिर्फ 13 साल की थी, तब बॉलीवुड के एक बड़े कास्टिंग डायरेक्टर मेरे स्कूल आए और मुझे एक फिल्म में कास्ट किया।

रॉकस्टार में एक्टिंग करने को लेकर उन्होंने कहा 13 साल की उम्र में, बिना किसी एक्टिंग अनुभव के भी, भारत के सबसे बड़े मेल स्टार्स में से एक के सामने खुद को मजबूती से पेश कर पाने की वजह वह मेहनत, अनुशासन और विनम्रता थी जो डांस ने मुझमें पैदा की थी।

उन्होंने बताया बहुत से भारतीय माता-पिता की तरह, मेरे माता-पिता भी चाहते थे कि मैं हर चीज में बेहतर करूं। जब मैं सात साल की थी, तो मेरे पिता चाहते थे कि मैं कथक सीखूं, जबकि मेरी मां चाहती थीं कि मैं कंटेम्परारी जैज सीखूं। कोई एक न चुन पाने की वजह से, मैंने दोनों ही चीजें सीखीं और स्कूल के बाद हर दिन बारी-बारी से उनका अभ्यास करती रही। शुरू में तो यह बहुत ज्यादा दबाव जैसा लगा और मुझे इसमें मजा भी नहीं आया। लेकिन धीरे-धीरे मुझे इससे प्यार हो गया और मुझे एहसास हुआ कि यह मुझे अनुशासन और कड़ी मेहनत सिखा रहा है, जो आगे चलकर मुझे जिंदगी के सबसे मुश्किल हालात का सामना करने में मदद करेगा।

बाथटब में सनी लियोनी का सिज़लिंग अवतार, तस्वीरों ने इंटरनेट पर लगाई आग

बॉलीवुड की बेबी डॉल सनी लियोनी जब भी स्क्रीन या सोशल मीडिया पर आती हैं, फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा देती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ ऐसी तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसने इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है।

इन तस्वीरों में सनी लियोनी बाथटब में बैठकर हुस्न का जलवा बिखेरती नजर आ रही हैं। सनी ने मल्टीकलर सिक्विन और क्रिस्टल वर्क वाला एक बेहद ग्लैमरस बॉडीसूट पहना हुआ है। पर्पल, पिंक, मरून और एक्वा ब्लू शेड्स के चेकर बोर्ड पैटर्न वाले इस आउटफिट में उनका टोंड फिगर साफ नजर आ रहा है।

इस सिजलिंग मोनोकिनी के साथ सनी लियोनी ने मैचिंग फिशनेट स्टॉकिंग्स कैरी किए हैं, जो उनके लुक में बोल्डनेस का तड़का लगा रहा है। बाथटब में लेटकर और बैठकर दिए गए सनी के सेक्सी पोज किसी को भी दीवाना बनाने के लिए काफी हैं।

किसी तस्वीर में वह अपने हाथों को बालों में घुमाते हुए कैमरे को इंटेंस लुक दे रही हैं, तो किसी में वह अपनी आँखें बंद कर कातिलाना अदाएं बिखेर रही हैं। उनके चेहरे के एक्सप्रेशंस में कॉन्फिडेंस और सेंसुअलिटी का बेहतरीन तालमेल देखने को मिल रहा है।

लुक को कम्प्लीट करने के लिए सनी ने बोल्ड रेड लिपस्टिक लगाई है, जो उनके चेहरे पर खूब फब रही है। स्मोकी आइज, परफेक्ट कॉन्टूरिंग और न्यूड मेकअप बेस के साथ उन्होंने कानों में बड़े गोल्डन हूप इयररिंग्स पहने हैं। सनी ने अपने बालों को खुला रखा है।

सनी लियोनी की इन तस्वीरों ने यह साबित कर दिया है कि फैशन और बोल्डनेस के मामले में उनका मुकाबला करना आसान नहीं है। फैंस लगातार इन तस्वीरों पर फायर और हार्ट इमोजीस की बरसात कर रहे हैं।

बोरियत को हमेशा न समझें नकारात्मक, कभी-कभी यह भी हो सकती है फायदेमंद

बोरियत को अक्सर एक नकारात्मक भावना के रूप में देखा जाता है। हम सोचते हैं कि बोरियत का मतलब है कि हम कुछ जरूरी नहीं कर रहे या हमारा समय बर्बाद हो रहा है। हालांकि, क्या आपने कभी सोचा है कि बोरियत भी एक तरह से हमें कुछ सिखा सकती है? इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे बोरियत हमें खुद को जानने, आराम करने और नए अनुभवों का आनंद लेने का मौका देती है।

बोरियत खुद को जानने का देती है मौका

बोरियत हमें खुद को जानने का मौका देती है। जब हम कुछ नहीं कर रहे होते और बस बैठकर सोचते हैं तो हमें अपने अंदर की आवाज सुनाई देती है। यह समय हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि हम क्या चाहते हैं और क्या हमारे लिए सच में जरूरी है। इससे हम अपनी प्राथमिकताओं को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं और अपनी जिंदगी को ज्यादा अर्थपूर्ण बना सकते हैं।

बोरियत होता है आराम करने का समय

बोरियत को अक्सर समय की बर्बादी माना जाता है, लेकिन यह वास्तव में आराम करने का एक जरूरी समय होता है। जब हम लगातार काम करते रहते हैं तो हमारी ऊर्जा कम हो जाती है और हम थक जाते हैं। बोरियत के दौरान हम अपने शरीर और मन को आराम देते हैं, जिससे हमारी ऊर्जा वापस आती है और हम नई ताकत के साथ काम करने के लिए तैयार होते हैं।

बोरियत नए अनुभवों का आनंद लेने का देती है मौका

बोरियत हमें नए अनुभवों का आनंद लेने का मौका देती है। जब हम कुछ नया करने का सोचते हैं तो कई बार हमें डर लगता है या संकोच होता है। बोरियत के दौरान हम बिना किसी दबाव के नए शौक आजमा सकते हैं या नई किताबें पढ़ सकते हैं। इससे हमारा ज्ञान बढ़ता है और हमारी सोच में विविधता आती है। नए अनुभवों से हमारा जीवन ज्यादा रोचक और आनंदमय बनता है।

बोरियत रचनात्मकता को देती है बढ़ावा

बोरियत रचनात्मकता को बढ़ावा देती है। जब हम बोर होते हैं तो हमारी मानसिक स्थिति ऐसी होती है कि हम नए विचारों पर ध्यान दे पाते हैं। कई बार हम ऐसी चीजें सोचते हैं, जो पहले कभी नहीं सोची थीं। इससे हमारी रचनात्मकता बढ़ती है और हम नए-नए तरीकों से समस्याओं का समाधान ढूंढ पाते हैं। बोरियत हमें अलग नजरिए से देखने की क्षमता देती है, जिससे हमारा सोचने का तरीका नया और बेहतर हो जाता है।

बोरियत मानसिक स्वास्थ्य के लिए होती है फायदेमंद

बोरियत मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती है। लगातार काम करते रहने से तनाव बढ़ता है, जबकि बोरियत के दौरान हमारा मन शांत रहता है। इससे हमारी मानसिक स्थिति बेहतर होती है और हम ज्यादा खुश महसूस करते हैं। इस प्रकार बोरियत केवल एक नकारात्मक भावना नहीं, बल्कि हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। यह हमें खुद को जानने, आराम करने, नए अनुभवों का आनंद लेने और रचनात्मक बनने का मौका देती है।

मानसून सत्र से पहले कांग्रेस का बड़ा दांव, सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का ऐलान

रायपुर,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के 13 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र से पहले प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के सरकारी निवास पर कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी विधानसभा सत्र की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के तीन वर्ष पूरे होने पर उनका सम्मान किया गया। इसके बाद मीडिया से चर्चा करते हुए नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने घोषणा की कि कांग्रेस विधानसभा के मानसून सत्र में राज्य सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। महंत ने कहा कि कांग्रेस बढ़े हुए बिजली बिल, बस्तर में जंगलों की कटाई, नकटी गांव सहित कई जनहित के मुद्दों को सदन में मजबूती से उठाएगी और सरकार से जवाब मांगेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता से जुड़े मुद्दों पर विफल रही है, इसलिए विपक्ष इन सवालों को विधानसभा में प्रमुखता से उठाएगा। त्रिपाठी 13 जुलाई से शुरू होने वाला पांच दिवसीय मानसून सत्र सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी राजनीतिक बहस और टकराव का गवाह बन सकता है। सभी की नजरें अब इस बात पर टिकी हैं कि सरकार विपक्ष के आरोपों का किस तरह जवाब देती है।

जनशिकायत पर नगर निगम की त्वरित कार्रवाई, जयस्तंभ चौक के खुले नाले का चैंबर ढंकर किया सुरक्षित

रायपुर,(आरएनएस)। राजधानी रायपुर में जनशिकायत मिलते ही नगर निगम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जयस्तंभ चौक के समीप खुले नाले के चैंबर को सुरक्षित बना दिया। नगर निगम के जोन क्रमांक-4 की टीम ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक मरम्मत कार्य कराया और चैंबर पर ढक्कन लगाकर उसे पूरी तरह कवर कर दिया।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, जयस्तंभ चौक के पास नाले का चैंबर खुला होने की शिकायत प्राप्त हुई थी, जिससे राहगीरों के लिए दुर्घटना का खतरा बना हुआ था। शिकायत मिलते ही जोन-4 की टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल स्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक सुधार कार्य शुरू कराया। मरम्मत के बाद चैंबर पर मजबूत ढक्कन लगाकर उसे सुरक्षित कर दिया गया। नगर निगम ने कहा कि नागरिकों की शिकायतों का त्वरित समाधान प्राथमिकता है और सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़े मामलों में बिना विलंब कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

पिंक ई-रिक्शा से विधानसभा पहुंचे मंत्री और विधायक, महिला सशक्तिकरण का दिया संदेश, हंगामेदार रहने के आसार

रायपुर(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन महिला सशक्तिकरण का संदेश देने के लिए मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और विधायक ललित चंद्राकर पिंक ई-रिक्शा से विधानसभा पहुंचे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने सरकार की महिला स्वावलंबन योजना को बढ़ावा देते हुए आम लोगों से भी पिंक ई-रिक्शा का अधिकाधिक उपयोग करने की अपील की।

विधानसभा रवाना होने से पहले मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने पत्रकारों से चर्चा में कहा कि पिंक ई-रिक्शा योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि यदि लोग अधिक से अधिक पिंक ई-रिक्शा का उपयोग करेंगे तो पिंक दीदियों की आय बढ़ेगी और उन्हें स्थायी रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की बड़ी पहल से जशपुर को मिली मेडिकल कॉलेज की सौगात।

विधानसभा में पंडवानी सम्राज्ञी डॉ. तीजन बाई को भावभीनी श्रद्धांजलि, 5 मिनट के लिए स्थगित हुई कार्यवाही

रायपुर,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन की शुरुआत पंडवानी की विश्वविख्यात गायिका डॉ. तीजन बाई को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। मुख्यमंत्री डॉ. विष्णुदेव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित सत्ता और विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि के बाद सदन की कार्यवाही पांच मिनट के लिए स्थगित कर दी गई।

मुख्यमंत्री डॉ. विष्णुदेव साय ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने पंडवानी की कापालिक शैली को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाते हुए छत्तीसगढ़ की लोककला को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। उन्होंने कहा कि उनकी ओजस्वी वाणी, सशक्त अभिनय और जीवंत प्रस्तुति ने दुनिया भर के श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। मुख्यमंत्री ने उनके जीवन को संघर्ष, साधना और समर्पण का प्रतीक बताते हुए कहा कि सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती देकर उन्होंने महिलाओं के लिए नई राह बनाई और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनीं।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि यह पहली बार है जब सदन में पद्म सम्मान से सम्मानित किसी विभूति को श्रद्धांजलि दी जा रही है।

बस्तर में मानसून के मिजाज में बड़ा बदलाव, बारिश का दौर थमा, उमस बढ़ी

जगदलपुर(ए.)। बस्तर में मानसून के मिजाज में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। बीते दो दिनों से मानसून की रफ्तार काफी धीमी पड़ गई है। मौसम की बदली इस चाल के कारण बारिश का दौर थम सा गया है। बस्तर में पिछले 48 घंटों के दौरान विभिन्न हिस्सों में केवल हल्की बारिश ही दर्ज की गई है, बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में सूरज की तपिश से भारी उमस झेलनी पड़ रही है । बारिश की रफ्तार कम होने और मौसम में आए इस अचानक बदलाव के कारण बस्तर के कई जिलों में लोगों को एक बार फिर से भारी उमस का सामना करना पड़ रहा है, तापमान में वृद्धि हो गई है। मौसम की इस मौजूदा स्थिति को देखते हुए मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले पांच दिनों तक प्रदेश में किसी भी तरह की जोरदार या भारी बारिश होने की कोई संभावना नहीं है। ऐसे में आने वाले कुछ दिनों तक लोगों को तीखी उमस और हल्के से मध्यम दर्जे के मौसम के बीच ही वक्त बिताना पड़ेगा।

स्मार्ट मीटर के बाद बढ़े बिजली बिलों पर फूटा लोगों का गुस्सा, कांग्रेस पार्षदों के साथ कलेक्टर जनदर्शन पहुंचे वार्डवासी

धमतरी, (ए.)। शहर में स्मार्ट मीटर लगने के बाद कई लोगों का बढ़ा हुआ बिल आ रहा है। इससे लोग परेशान हैं। कई लोगों का आनलाइन बिल अलग तो आफ लाइन बिल आ रहा है। बिल में आ रही विसंगति और बढ़े हुए बिल को लेकर आक्रोशित वार्डवासियों ने सोमवार को कांग्रेस पार्षदों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और बिलों की जांच कर राहत दिलाने की मांग की। नेता प्रतिपक्ष दीपक सोनकर ने कहा कि पहले जहां उपभोक्ताओं का बिजली बिल 700 से 800 रुपये तक आता था, वहीं अब वही बिल 2,000 से 2,500 रुपये तक पहुंच गया है, जिससे आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बिजली विभाग ने बढ़े हुए बिलों की जांच कर समस्या का समाधान नहीं किया तो कांग्रेस आम जनता के साथ बिजली कार्यालय के सामने आंदोलन करेगी। उपनेता प्रतिपक्ष विशु देवांगन ने आरोप लगाया कि जुलाई माह के बिजली बिलों ने आम लोगों को झटका दिया है। एक ओर सरकार महतारी वंदन योजना के तहत एक हजार रुपये दे रही है, वहीं दूसरी ओर बिजली बिल बढ़ाकर लोगों से तीन से चार हजार रुपये वसूल रही है। पार्षद सुमन मेश्राम ने कहा कि बढ़े हुए बिजली बिलों की

जांच कर पुरानी रीडिंग और स्मार्ट मीटर की नई रीडिंग का मिलान कराया जाए तथा जिन उपभोक्ताओं के बिल गलत पाए जाएं, उन्हें तत्काल राहत दी जाए। महिमा सागर वार्ड की निवासी रमली बाई ने बताया कि उनके दो कमरे के कच्चे मकान का पिछले महीने 470 रुपये बिजली बिल आया था, जबकि इस माह 2,100 रुपये का बिल मिला है, जिसे मजदूरी कर चुकाना उनके लिए संभव नहीं है। वहीं डाक बंगला वार्ड निवासी सतीश यादव ने बताया कि वह गैरेज लाइन में काम करते हैं। तीन कमरे के कच्चे मकान में रहने वाले उनके परिवार का पहले 300 से 400 रुपये तक बिजली बिल आता था, लेकिन इस बार 1,800 रुपये का बिल मिलने से वे परेशान हैं। कलेक्टर के प्रतिनिधि ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए बिजली विभाग के अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए और कहा कि यदि बिलों में गड़बड़ी पाई गई तो आवश्यक सुधार कराया जाएगा।

खेल समाचार

लॉर्ड्स में भारतीय टीम ने रचा इतिहास, इंग्लैंड को 270 रन से रौंदकर दर्ज की ऐतिहासिक जीत

लंदन (ए.) क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एक नया इतिहास रच दिया है। इस प्रतिष्ठित मैदान पर पहली बार खेले गए महिला टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान इंग्लैंड को 270 रनों के विशाल अंतर से करारी शिकस्त दी है। इस जीत के साथ ही भारतीय बेटियों ने लॉर्ड्स में अपना परचम लहरा दिया है। इस खास और गर्व भरे पल का गवाह बनने के लिए खुद महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी स्टेडियम के स्टैंड्स में मौजूद थे।

457 रनों के लक्ष्य के सामने 186 पर ढेर हुआ इंग्लैंड

मैच की दूसरी पारी में भारतीय टीम ने इंग्लैंड के सामने 457 रनों का बेहद मुश्किल लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में पूरी इंग्लिश टीम महज 186 रनों पर ही सिमट गई। चौथे और आखिरी दिन इंग्लैंड ने अपनी पारी 130 रन पर 6 विकेट के नुकसान से आगे बढ़ाई थी, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने उन्हें वापसी का कोई मौका नहीं दिया। दिन के खेल की शुरुआत में ही दिग्गज स्पिनर स्नेह राणा ने विकेटकीपर बल्लेबाज एमी जोन्स (54 रन) को

शैफाली वर्मा के हाथों कैच आउट कराकर भारत को सबसे बड़ी सफलता दिला दी। जोन्स के आउट होते ही इंग्लैंड की पूरी बल्लेबाजी बुरी तरह लड़खड़ा गई।

दीप्ति, स्नेह और क्रांति की गेंदबाजी ने तोड़ी कमर

एमी जोन्स के पवेलियन लौटने के बाद स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड की बची-खुची उम्मीदों पर भी पूरी तरह से पानी फेर दिया। उन्होंने सोफी एक्लेस्टोन और इजी वॉन्ग के बीच बन रही 22 रनों की साझेदारी को तोड़ा और वॉन्ग को महज 1 रन पर आउट कर दिया। इसके अगले ही ओवर में लॉरेन बेल भी बिना खाता खोले दीप्ति का शिकार बन गईं।अंत में सोफी एक्लेस्टोन ने अकेले संघर्ष करते हुए 50 रनों की जुझारू पारी खेली और टेस्ट क्रिकेट में अपना सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी बनाया। उन्हें एक बार डीआरएस (DRS) से जीवनदान भी मिला, लेकिन आखिरकार स्नेह राणा ने उन्हें आउट कर भारत की इस ऐतिहासिक जीत पर मुहर लगा दी। इस महामुकाबले में यास्तिका भाटिया की बेहतरीन बल्लेबाजी के साथ-साथ स्नेह राणा और युवा तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ का शानदार प्रदर्शन जीत का मुख्य आधार बना।

रीस जेम्स ने इंग्लैंड के शानदार विश्व कप अभियान को बताया सपने जैसा सफर

मियामी , (ए.)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की भिड़ंत अर्जेंटीना से होनी है। इस मुकाबले से पहले इंग्लिश टीम के मिडफील्डर रीस जेम्स ने माना कि टीम का इस विश्व कप में अब तक का सफर सपनों के सच होने जैसा रहा है।

इंग्लैंड ने क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। नॉर्वे के खिलाफ इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। पहले हाफ में एंड्रियास श्जेल्डरप ने गोल करते हुए नॉर्वे को मैच में 1-0 से आगे कर दिया था। हालांकि, इसके बाद जूड बेलिंगहम ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर किया।

इसके बाद उन्होंने अतिरिक्त समय में एक और शानदार गोल करते हुए इंग्लैंड को सेमीफाइनल का टिकट दिलाया। इंग्लैंड ने चौथी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। रीस जेम्स इस मैच में बेंच से मैदान पर उतरे थे। टूर्नामेंट की शुरुआत में वह हैमस्ट्रिंग चोट से परेशान थे, लेकिन अब पूरी तरह फिट होकर टीम के लिए अहम भूमिका निभा रहे हैं। वह डिफेंस और मिडफील्ड दोनों में टीम को मजबूती दे रहे हैं।

'लायंस डेन कनेक्टेड बाय ईई' कार्यक्रम के दौरान जेम्स ने कहा, सपने ऐसे ही सच होते हैं। हर छोटा बच्चा वर्ल्ड कप में खेलने का सपना देखता है और यह उसी प्रक्रिया का हिस्सा है। दुनिया की बेहतरीन टीमों में से एक के खिलाफ सेमीफाइनल खेलना बहुत खास पल है। हम यहां पहुंचकर बहुत खुश हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह बेलिंगहम के दो शानदार गोल जैसे पलों का मैच के दौरान आनंद ले पाते हैं, तो जेम्स ने कहा कि खिलाड़ियों के पास ऐसा करने का समय नहीं होता। उन्होंने कहा, मैच के दौरान आपको खुशी मनाने के लिए कुछ ही सेकंड मिलते हैं। जैसे ही मैच खत्म होता है, पूरा ध्यान अगले मुकाबले पर चला जाता है। हम पिछली जीत के बारे में ज्यादा नहीं सोचते, क्योंकि सामने नई चुनौती होती है।

यह उपलब्धि जीवनभर याद रहेगी', रवि शास्त्री ने यास्तिका-क्रांति की जमकर सराहना की

नई दिल्ली (ए.) । भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर और हेड कोच रह चुके रवि शास्त्री ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी यास्तिका भाटिया और क्रांति गौड़ की जमकर तारीफ की है। लॉर्ड्स के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट में यास्तिका और क्रांति का प्रदर्शन शानदार रहा है।

यास्तिका ने रविवार को बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। वह लॉर्ड्स में शतक लगाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं। इससे पहले, भारत की ओर से गेंदबाजी में क्रांति गौड़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में 5 विकेट चटकाए और वह यह गौरव हासिल करने वाली दुनिया की पहली महिला गेंदबाज बनीं। इन दोनों खिलाड़ियों का नाम प्रतिष्ठित लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड पर दर्ज हो गया है।

रवि शास्त्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यास्तिका और क्रांति की तारीफ करते हुए लिखा, यास्तिका, क्रांति आपने कमाल कर दिया। 'होम ऑफ क्रिकेट' के ऑनर्स बोर्ड पर आपका स्वागत है। यह एक ऐसी उपलब्धि है जिसे आप जीवन भर संजोकर रखेंगी। यह हर उस भारतीय महिला क्रिकेटर के लिए प्रेरणा जो ऐसा करने का सपना देखती है।

टेस्ट के दूसरे दिन, क्रांति ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए पांच विकेट लिए और इंग्लैंड की टीम को 170 रन पर समेट दिया, जिससे भारत को पहली पारी के आधार पर 115 रनों की अहम बढ़त हासिल हुई।

15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी से प्रभावित होकर युवराज सिंह बोले- उसे गाइड करना चाहूंगा

नई दिल्ली (ए.) । भारत के पूर्व स्टार बल्लेबाज युवराज सिंह ने 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को नया नाम दिया है। युवराज ने उन्हें 'टर्मिनेटर 6' वैभव सूर्यवंशी बताया है। इसके साथ ही उन्होंने वैभव का मेंटर बनने की इच्छा भी जाहिर की है। वैभव ने भारत ए की तरफ से खेलते हुए श्रीलंका ए के खिलाफ सिर्फ 11 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। उन्होंने लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ मिले तीन मौकों को वैभव भुनाने में नाकाम रहे और वह 3 मैचों में सिर्फ 42 रन ही बना सके।युवराज ने 'जियोस्टार' पर कहा, मैं हमेशा खुद को टर्मिनेटर कहता हूं। अब 'टर्मिनेटर 4' अभिषेक शर्मा हैं, जो मुझसे चार गुना बेहतर हैं। उनके बाद 'टर्मिनेटर 6' वैभव सूर्यवंशी आते हैं, जो और भी ज्यादा बेहतर हुए हैं। मैंने अपने समय में अपना काम किया, अभिषेक ने इसे और आगे बढ़ाया, और अब वैभव नए स्टैंडर्ड सेट कर रहे हैं। यह उसी सफर का तीसरा चरण है। खेल को आगे बढ़ते हुए देखना बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने आगे कहा, जब मैं सिनर और अल्काराज को देखता हूं, तो मुझे दिखता है कि टेनिस कैसे बदल रहा है। मुझे अभिषेक और वैभव में भी वही बदलाव दिखता है। मैंने अभिषेक को ट्रेनिंग देने में काफी समय बिताया है, और मैं वैभव के साथ भी समय बिताना पसंद करूंगा। उनका करियर बहुत शानदार होने वाला है। वह भविष्य के एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं, और मुझे यकीन है कि वह उस मुकाम तक पहुंचेंगे। रविवार को सूर्यवंशी और अभिषेक ने जानिक सिनर और अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच हुए विंबलडन 2026 के पुरुष एकल फाइनल देखने के लिए ऑल इंग्लैंड क्लब का दौरा किया। वैभव और अभिषेक के साथ युवराज भी नजर आए। पूर्व दिग्गज बल्लेबाज से मिलने का अपना अनुभव शेयर करते हुए वैभव ने युवराज को अपना आदर्श बताया। उन्होंने कहा, युवराज पाजी मेरे भी आदर्श हैं। उनसे पहली बार मिलना एक खास पल था। मुझे उनके साथ समय बिताने का मौका मिला और उन्होंने खेल के बारे में कई अहम बातें बताईं।

फीफा वर्ल्ड कप से पहले ओलिवर कान की भविष्यवाणी, फ्रांस को बताया खिताब का सबसे बड़ा दावेदार

मुंबई (ए.)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल मुकाबलों से पहले जर्मनी के महान गोलकीपर ओलिवर कान ने फ्रांस को खिताब जीतने का सबसे मजबूत दावेदार बताया है। कान का मानना है कि फ्रांस की टीम संतुलन, खिलाड़ियों की गहराई और अलग-अलग तरीकों से मैच जीतने की क्षमता के कारण बाकी टीमों से थोड़ी आगे नजर आ रही है। फ्रांस का सामना पहले सेमीफाइनल में 15 जुलाई (बुधवार) को डलास स्टेडियम में स्पेन से होगा। वर्ल्ड कप के नॉकआउट चरण में दोनों टीमें दूसरी बार आमने-सामने होंगी। इससे पहले 2006 के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में फ्रांस ने स्पेन को 3-1 से हराया था। ओलिवर कान ने कहा कि अगर अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए किसी एक टीम को चुनना हो तो वह फ्रांस का नाम लेंगे। कान ने 'जी5' पर बात करते हुए कहा, अगर मुझे अब तक के खेल के आधार पर किसी एक टीम को चुनना हो, तो मैं शायद फ्रांस का नाम लूंगा।

मेसी की चुनौती के लिए तैयार इंग्लैंड, पूर्व खिलाड़ी जो कोल ने जताया जीत का भरोसा

नई दिल्ली (ए.)। इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉलर जो कोल का मानना है कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड की टीम अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी को रोकने में सफल रहेगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला अटलांटा स्टेडियम में खेला जाएगा। इंग्लैंड की टीम 21 साल में पहली बार अर्जेंटीना के खिलाफ मैदान पर उतरेगी।

इंग्लैंड और अर्जेंटीना की फुटबॉल प्रतिद्वंद्विता काफी पुरानी है। वर्ल्ड कप में दोनों टीमें अब तक पांच बार आमने-सामने आ चुकी हैं। इनमें 1962, 1966, 1986, 1998 और 2002 के मुकाबले शामिल हैं। जापान में हुई पिछली भिड़ंत में इंग्लैंड ने डेविड बेकहम की पेनल्टी के दम पर अर्जेंटीना को हराया था।

अर्जेंटीना मौजूदा विश्व चैंपियन है। टीम ने 2022 में कतर में वर्ल्ड कप खिताब जीता था। यह अर्जेंटीना का तीसरा विश्व कप खिताब था और 36 साल बाद टीम को विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल हुआ था। हालांकि, जो कोल का मानना है कि इंग्लैंड की मजबूत आक्रमण क्षमता अर्जेंटीना के सामने बड़ी चुनौती साबित होगी। जो कोल ने 'द रेस्ट इज फुटबॉल' पॉडकास्ट में कहा, हमें लियोनेल मेसी को रोकना होगा, और हम ऐसा करने में सफल होंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि इंग्लैंड के खिलाड़ी इस बड़े मुकाबले के दबाव को संभाल सकते हैं। अर्जेंटीना भी इंग्लैंड की तरह एक्स्ट्रा टाइम में जीत हासिल कर सेमीफाइनल तक पहुंचा है। क्वार्टर फाइनल में उसका मुकाबला स्विट्जरलैंड से था। 90 मिनट के खेल के बाद दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थीं। इसके बाद जूलियन अल्वारेज ने अर्जेंटीना के लिए दूसरा गोल किया, जबकि लौटारो मार्टिनेज ने तीसरा गोल करके टीम की 3-1 से जीत पक्की की थी।

भारतीय किसान संघ का अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी

गुस्से में है किसान नेता अर्धनग्न होकर काली पट्टी बांधी, उग्र आंदोलन का बनाया जा रहा प्लान

नर्मदापुरम(निप्र)। भारतीय किसान संघ का मूंग खरीदी 100 प्रतिशत खरीदी की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना आंदोलन आज आठवें दिन भी निरंतर जारी है।

आंदोलन को लगभग 175 घंटे हो चुके है प्रतिदिन अलग अलग तहसीलें आंदोलन कर रही हैए आज सिवनीमालवा एवं शिवपुर तहसील द्वारा आंदोलन किया जा रहा हैए आज भारतीय किसान संघ नें अर्धनग्न होकर काली पट्टी बांध कर विरोध दर्ज कराया हैए कार्यकर्ताओं नें विरोध दर्ज कराते हुए नारेबाजी कीए एवं 100 प्रतिशत मूंग खरीदी करनें की मांग की है।

किसानों नें मेहनत करके मूंग का उत्पादन किया

भारतीय किसान संघ के जिला मंत्री शंकरसिंह पटैल नें बताया कि किसानों नें गर्मी भर मेहनत करके मूंग का बंपर उत्पादन किया हैए 4.5 क्विंटल प्रति एकड़ मूंग का उत्पादन किया है लेकिन सरकार नें घोषित उपार्जन 1 क्विंटल 20 किलो तय किया जोकि बहुत कम हैए ऐसे में किसानों को औने पोनें दामों में मंडी में बेचना पड़ेगाए मंडी के भाव भी 4500.5000 रूपये चल रहे है जिससे लाखों रूपये का फटका लगेगा एसरकार शीघ्रता से शत प्रतिशत मूंग खरीदी की घोषणा करेंए अन्यथा प्रतिदिन ही उग्र आंदोलन किया जाएगा

काली पट्टी बांधी, अर्धनग्न होकर किया विरोध

भारतीय किसान संघ के कर्यकर्ताओं नें आज आठवे दिन काली पट्टी बांधी एवं विरोधस्वरूप अर्धनग्न होकर सरकर तक अपनी बात रखते हुए नारेबाजी की है ।

भारतीय किसान संघ के संभागीय मंत्री देवेन्द्र पटेल नें बताया कि भारतीय किसान संघ विगत आठ दिनों से आंदोलन कर रहा हैए हमनें सद्बुद्धि यज्ञ कियाए भिक्ष मांगकर प्रदर्शन कियाए थाली बजाकर प्रदर्शन किया जल सत्याग्रह किया भजन गाकर प्रदर्शन किया लेकिन सरकार नें अभी तक कोई घोषणा नहीं की । सरकार 48 घंटे में कोई बड़ा निर्णय नहीं लेगी तो यह आंदोलन उग्र करेगे ।

अब उग्र होगा आंदोलन

भारतीय किसान संघ के संभाग पदाधिकारी मंगलसिंह राजपूत नें बताया कि भारतीय किसान संघ द्वारा अभी तक तहसीलों द्वारा आंदोलन किया जा रहा था, लेकिन अब सरकार हमारी मांगे नहीं मान रही इसलिए हम उग्र आंदोलन करनें वाले हैए जिसमें ट्रैक्टर आंदोलनए बाजार बंद एवं मंडी बंद जैसे आंदोलन करेंगे ।

ये रहे उपस्थित

आंदोलन में भारतीय किसान संघ के प्रांत अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान संभागीय मंत्री देवेन्द्र पटेल जिला मंत्री शंकरसिंह पटैल मंगलसिंह राजपूतए रामेश्वर जाट कन्हैयालाल राजपूत ललित चौहान सोनू भदौरिया राजेश साध, सुभाष साध, आदि उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में डॉ सीतासरन शर्मा ने सुनी आमजन की समस्याएं

नर्मदापुरम(निप्र)। जिला कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ सीतासरन शर्मा ने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न अंचलों से आए नागरिकों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं से आत्मीय भेंट कर उनकी समस्याओंए अपेक्षाओं और सुझावों को गंभीरता से सुना।जनसुनवाई के दौरान प्राप्त जनहित से जुड़े विभिन्न प्रकरणों के त्वरित प्रभावी एवं संतोषजनक निराकरण के लिए डॉ शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा.निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए पात्र हितग्राहियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर डॉ सीतासरन शर्मा ने कहा कि सरकार और संगठन आमजन की समस्याओं के समाधान तथा उनके कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनसेवा ही हमारा संकल्प है और जनता का विश्वास हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि प्रत्येक नागरिक की समस्या का यथासंभव त्वरित निराकरण कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

24 हजार गायत्री मंत्र जाप एक कुण्डीय गायत्री यज्ञ एवं पौधारोपण संपन्न

नर्मदापुरम(निप्र)। अखिल विश्व गायत्री परिवार नर्मदापुरम द्वारा स्थानीय मालाखेड़ी स्थित विश्वकर्मा मंदिर के समीप तुलसीराम बाबरिया के निवास पर 24 हजार गायत्री मंत्र जापए एक कुण्डीय गायत्री यज्ञ एवं वृक्षारोपण का कार्यक्रम श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। गायत्री परिवार द्वारा संचालित 24 हजार गायत्री मंत्र जाप एवं एक कुण्डीय गायत्री यज्ञ की श्रृंखला का यह आठवाँ कार्यक्रम था। इससे पूर्व यह आयोजन क्रमश: महेश गौर रसूलिया महेश ठाकुर ;गोल्डन सिलिकॉन सिटी केशव मांगरोल शांति नगरद संतोष यादव मालाखेड़ी किशोर चावरे ;श्रीप्लांट मल्टीद्धए विजय वर्मा ;पीपल चौराहा मालाखेड़ी तथा धीरेन्द्र मालवीय ;मालाखेड़ी के निवास पर सम्पन्न हो चुके हैं। इस श्रृंखला का अगला कार्यक्रम आगामी रविवार को अंकिता नगर में डोरीलाल यादव के निवास पर आयोजित किया जाएगा। यज्ञ के दौरान गायत्री मंत्र के साथ.साथ महामृत्युंजय मंत्र की आहुतियाँ भी अर्पित की गईं। उपस्थित परिजनों ने विश्व शांति पर्यावरण संरक्षण समस्त मानव समाज के कल्याण तथा गायत्री परिवार के बीमार एवं वरिष्ठ परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य की सामूहिक प्रार्थना की। कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण भी किया गया।

'कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी परिजनों ने तुलसीराम बाबरिया एवं उनके परिवार का पुष्पवर्षा कर आत्मीय सम्मान किया तथा उनके धार्मिक एवं सामाजिक सहयोग की सराहना की। इस अवसर पर धनपाल सिंह राजपूत महेश ठाकुर परमानंद मालवीय रामकुमार सोनी बसंत मलैया रामकुमार गौर चंद्रमोहन गौर आरती गौर शिवकुमार विश्वकर्मा संतोष यादव पूजा बाबरिया प्यारेलाल बाबरिया दुर्गा प्रसाद जखोदिया संध्या मांगरोल आरती यादव भागवत मालवीय ध्रुव वर्मा श्रीमती सुमन बाबरिया भावना वर्मा गीता बाबरिया केशव मांगरोल डोरीलाल यादव सहित गायत्री परिवार के अनेक परिजन एवं क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

वर्षाकाल के दौरान जिले में जलभराव की स्थिती पर सतत निगरानी रखें अधिकारी : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

किसानों को समय पर हो खाद की आपूर्ती, समितियों में रहे निर्बाध खाद की उपलब्धता

नर्मदापुरम(निप्र)। सोमवार को आयोजित समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिक शिकायत संख्या वाले विभागों पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आगामी सप्ताह में प्रदर्शन में सुधार लाने तथा शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नॉन-अटेंडेड शिकायतों के लिए संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने जिले में किसानों को खाद की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि खाद वितरण व्यवस्था की नियमित समीक्षा की जाए तथा जहां आवश्यकता हो वहां समयानुसार पर्याप्त खाद का भंडारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन समितियों में खाद उपलब्ध होने के बावजूद किसानों को वितरण नहीं किया जा रहा है, उन समितियों के प्रबंधकों को नोटिस जारी कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देशित किया कि समस्त अनुविभागों में निराश्रित गौ वंश को उचित आश्रय स्थल प्रदान किए जाने के लिए विशिष्ट कार्य योजना तैयार की जाए तथा स्थाई एवं अस्थाई गौशालाओं में गौवंश को स्थानांतरित किया जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए की सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्र में जल भराव की स्थिति पर सतत रूप से नजर बनाए रखें तथा ऐसी किसी भी अप्रिय स्थिति निर्मित होने पर त्वरित रूप से प्रतिक्रिया करें। कलेक्टर ने समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक के दौरान उपस्थित समस्त विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन विभागों को भवन अथवा अन्य किसी भी निर्माण कार्य के लिए भूमि की आवश्यकता है वह सभी संबंधित एसडीएम से समन्वय कर भूमि का चिन्हांकन कर आगामी कार्यवाही प्रारंभ करें।बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि न्यायालयों से संबंधित मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

28 जुलाई से 08 अगस्त 2026 तक भोपाल में होगा अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन

नर्मदापुरम(निप्र)। सेना भर्ती कार्यालय, भोपाल द्वारा मध्य प्रदेश के 15 जिलों के युवाओं के लिए अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन किया जाएगा। यह रैली 28 जुलाई से 08 अगस्त 2026 तक अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, भोपाल में आयोजित होगी। इस रैली में मध्य प्रदेश के निम्न 15 जिलों के पुरुष उम्मीदवार भाग ले सकते हैं जिसमें अशोकनगर, भोपाल, बैतूल, छिंदवाड़ा, दमोह, गुना, हरदा, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, पन्ना, पांढुर्ना, रायसेन, राजगढ़, सीहोर और विदिशा शामिल है। इन जिलों के लिए अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी और अग्निवीर ट्रेड्समैन पदों पर भर्ती होगी। इसके साथ ही मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के उम्मीदवारों के लिए धर्म गुरु और एजुकेशन हवलदार की भर्ती रैली भी इसी दौरान आयोजित की जाएगी।सेना द्वारा 01 जून से 12 जून 2026 तक ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा CEE का आयोजन किया गया था।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने 100 प्रतिशत मूंग खरीदी की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री डॉ यादव का पुतला दहन

नर्मदापुरम(निप्र)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नर्मदापुरम् ने सोमवार को ग्राम पांजरा कला में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनुराग मलैया के नेतृत्व में बाकी बची 75 प्रतिशत मूंग की खरीदी की घोषणा जल्द से जल्द करने की मांग को लेकर एवं खाद की टोकन प्रणाली को बंद करने की मांग को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव का पुतला दहन किया।इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ एवं युवा साथी किसान कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष महेंद्र शर्मा जीए पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष ओम प्रकाश पटेल वरिष्ठ मधु परिहार मंडल अध्यक्ष दीनदयाल चौरे ; सोनू प्रेम चौरे जिला मीडिया समन्वयक सरपंच नवल पटेल पूर्व सरपंच अंबिका राजपूत ब्लॉक अध्यक्ष मनमोहन अहिरवार मंडल अध्यक्ष अशोक गोलियां मंडल अध्यक्ष संतोष अहिरवार भवानी कहार घनश्याम साहू संजय चौरे ग्राम पांजरा कला के युवा साथी राहुल परिहार ओमकार चौधरी मोहित बड़कुर संजय चौरेए राम चौरे तरुण चौरे सूरज साहिल संदीप निखिल रितिक सौरव विवेक गणेश राज परिहार सुमित सागर चौरे पियूष अभिषेक देवेश विशाल मलैया चौरे बबलू चौरे तनिस चिंटू संतोष समेत अन्य कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

संभागायुक्त श्रीकांत बनोठ ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी केसला को निलंबित किया

नर्मदापुरम (निप्र)। संभागायुक्त नर्मदापुरम संभाग श्रीकांत बनोट ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी, केसला श्रीमती आशा मौर्य को कदाचरण एवं अनुशासनहीनता के आरोपों के चलते तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर की गई है। जारी आदेश के अनुसार, श्रीमती आशा मौर्य को मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के प्रावधानों के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने आबकारी विभाग के पदोन्नत अधिकारी-कर्मचारियों का किया फ्लैग सेरेमनी में सम्मान

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में मध्यप्रदेश शासन के आदेशानुसार आबकारी विभाग में पदोन्नति प्राप्त अधिकारी एवं कर्मचारियों की फ्लैग सेरेमनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कलेक्टर श्री मिश्रा ने पदोन्नत अधिकारी एवं कर्मचारियों को स्टार एवं फित्ती लगाकर सम्मानित किया तथा उन्हें नवीन दायित्वों के सफल निर्वहन एवं उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। पदोन्नति प्राप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों में रघुवीर प्रसाद निमोदा को आबकारी उपनिरीक्षक के पद पर तथा गोपाल रघुवंशी, मनोज रघुवंशी, मदन रघुवंशी, राजेश भारती, राजेश गौर एवं दुर्गेश पठारिया को मुख्य आरक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है। इस अवसर पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि पदोन्नति केवल दायित्वों में वृद्धि नहीं, बल्कि उत्कृष्ट कार्य, निष्ठा एवं समर्पण का सम्मान भी है। उन्होंने सभी पदोन्नत अधिकारी एवं कर्मचारियों से अपेक्षा की कि वे अपनी नई जिम्मेदारियों का पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ निर्वहन करते हुए विभाग की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाएंगे।

15 जुलाई को जिला स्तरीय साइबर सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार 15 जुलाई 2026 (बुधवार) को अपराह्न 03:00 बजे से 05:00 बजे तक रेवा मीटिंग हॉल, कार्यालय कलेक्टर, नर्मदापुरम में जिला स्तरीय साइबर सुरक्षा कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला में शासकीय कार्यालयों से संबंधित साइबर सुरक्षा, सुरक्षित ई-मेल उपयोग, फिशिंग एवं साइबर धोखाधड़ी से बचाव, रैनसमवेयर, डेटा सुरक्षा, मोबाइल सुरक्षा, साइबर स्वच्छता (Cyber Hygiene) एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। सभी संबंधित विभागों से अनुरोध/निर्देश है कि विभाग प्रमुख (HoD) एवं आईटी नोडल अधिकारी तथा कलेक्टर कार्यालय की समस्त शाखाओं से संबंधित अधिकारी/कर्मचारी निर्धारित समयानुसार कार्यशाला में सहभागिता सुनिश्चित करें।

नर्मदापुरम। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कलेक्टर कार्यालय परिसर से दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तृतीय चरण का शुभारंभ कर उन्होंने अभियान से जुड़े विभागीय दलों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जिला पेंशन कार्यालय नर्मदापुरम में किया गया "एक्सपेरिमेंटल लर्निंग प्रोग्राम" का आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। युवाओं को शासन की कार्यप्रणाली से जोड़ने और उन्हें सरकारी प्रक्रियाओं की व्यावहारिक जानकारी देने के उद्देश्य से मेरा युवा भारत, नर्मदापुरम द्वारा गत दिवस जिला पेंशन कार्यालय नर्मदापुरम में एक्सपेरिमेंटल लर्निंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला युवा अधिकारी श्रद्धा मित्तल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला पेंशन अधिकारी स्मिता शर्मा ने मेरा युवा भारत के स्वयं सेवकों को पेंशन विभाग की संपूर्ण कार्यप्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शासकीय सेवकों की सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन प्रकरण कैसे तैयार होता है। इस दौरान युवाओं ने शासकीय फाइलों के ऑनलाइन संचालन, नस्तीकरण, अनुमोदन की प्रक्रिया और वित्तीय लेनदेन व बजट प्रबंधन को भी समझा। स्मिता शर्मा ने राज्य शासन के व्यय और आय के डिजिटल रिकॉर्ड रखने की प्रणाली, पेंशन प्रकरण के नियम, आवश्यक दस्तावेज और समय-सीमा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने सेवा पुस्तिका का महत्व, उसमें प्रविष्टियां एवं सत्यापन प्रक्रिया भी दिखाई।

खंड-I
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
मध्यप्रदेश शासन
कार्यालय-दक्षिण बैतूल (सा.) वनमंडल मध्य प्रदेश

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या/4836/ई-टेंडरिंग/2026-27 दिनांक 08/07/2026

वनमंडलाधिकारी, दक्षिण बैतूल (सा.) वनमंडल द्वारा म.प्र. भंडार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सामग्री/कार्य का नाम	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
1.	लोहा ISI (TMT) 6 mm	20,000/-	1000/-
2.	लोहा ISI (TMT) 8 mm	20,000/-	
3.	लोहा ISI (TMT) 10 mm	20,000/-	
4.	लोहा ISI (TMT) 12 mm	20,000/-	
5.	लोहा ISI (TMT) 16 mm	20,000/-	
6.	बाईडिंग वायर	5,000/-	

1 निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर नि:शुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते है।
2 इच्छुक निविदाकार क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनांक 12/07/2026 शाम 05.00 बजे से निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है।
3 ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होंगी।
4 ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं।
5 ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल : https://www.mptenders.gov.in/

जी/15548/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

वनमंडलाधिकारी
दक्षिण बैतूल (सा०) वनमंडल

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com